राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 160 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 13 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

विधान परिषद चुनाव में एनडीए के सभी नौ उम्मीदवारों की जीत, कांग्रेस के एक प्रत्याशी को मिली विजय

मुंबई। महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव में अब तक दस उम्मीदवारों की जीत हुई है। इनमें से एनडीए के सभी उम्मीदवारों की जीत हुई है। उधर, कांग्रेस के एक उम्मीदवार की विजय मिली है। भारतीय जनता पार्टी के पांच, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के दो और अजित पवार नीत राकांपा के दो उम्मीदवारों की जीत हुई है। विधानसभा में पर्याप्त संख्या बल न होने पर भी विपक्षी गठबंधन, महाविकास अघाड़ी (एमवीए) ने विधान परिषद चुनाव में तीन प्रत्याशी उतारकर मुकाबले को नया मोड़ दे दिया। जबकि, सत्ताधारी गठबंधन, महायुति ने नौ प्रत्याशी उतारे। आपको बता दें, करीब दो बजे तक 203 विधायकों ने मतदान किया है। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा इन चुनावों के लिए निर्वाचक मंडल है। वर्तमान में इसमें संख्या बल 274 है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव मैदान में पांच उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि महायुति के उसके गठबंधन सहयोगियों शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने दो-दो उम्मीदवार खड़े किए हैं।

छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार है मितानिन बहनों का समर्पण और योगदानः विष्णुदेव साय

अब अटक-अटक कर नहीं, सांय-सांय जाएगी मितानिन बहनों के बैंक खाते में राशि -मुख्यमंत्री साय

✔ मितानिन बहनों के बिना अंतिम छोर तक काम कर पाना मुश्किलः स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

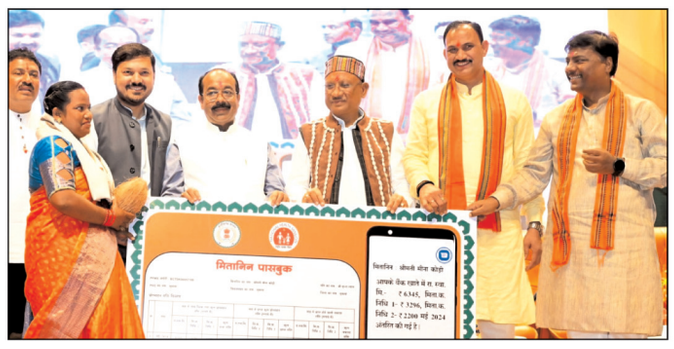

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना पर काम करना शुरू कर दिया है और इसकी शुरूआत स्वस्थ छत्तीसगढ़ की बात के साथ की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज राजधानी रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में राज्य भर से आई हुई हजारों मितानिन बहनों के सामने कहा कि उनकी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और वो राज्य मे सुशासन की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके इस सफर में राज्य भर में काम कर रही लगभग 72 हजार मितानिन बहनों का भी अमूल्य योगदान है जिनके दम पर राज्य मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में अभूतपूर्व सुधार हासिल करने मे कामयाब हुआ है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मितानिन बहनों को नवा सौगात देते हुए उन्हें हर माह उनके प्रोत्साहन राशि को सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर करने की शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर राज्य स्तर से मितानिन प्रोत्साहन राशि का सीधे बैंक खाते में अंतरण किया। इस अंतरण से राज्य भर की मितानिन बहनों के खाते में 90 करोड़ 8 लाख 84 हजार 20 रुपए का अंतरण हुआ। इस राशि में केंद्र एवं राज्य के अंश के साथ ही मितानिन प्रोत्साहन राशि भी शामिल है। ये राशि 69 हजार 607 मितानिन बहनें, 3 हजार 448 मितानिन प्रशिक्षक, 289 ब्लॉक समन्वयक, 176 स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक, 26 शहरी क्षेत्र समन्यवक एवं 285 मितानिन हेल्प डेस्क समन्वयक को राज्य स्तर से एक साथ भुगतान की गई।

मुख्यमंत्री ने मितानिन बहनो को संबोधित करते हुए कहा कि पहले उन्हें कई चरणों में अटक अटक कर राशि मिलती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा और हर महीने सांय सांय उनके खाते में पैसे आएंगे। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनें छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार हैं जो सुदूर क्षेत्रों में जाकर भी इमानदारी से काम करती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मितानिन बहनों के लगन और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मितानिन राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं जिन्होंने ग्रामीण अंचलों के अंतिम छोर तक स्वास्थ्य की बागडोर संभाल रखी है। उन्होंने कहा कि पहले भी मितानिनों को बैंक में राशि दी जाती थी, लेकिन ये राशि ब्लाक स्तर अनियमित अंतराल पर आती थी और उसमें केंद्र, राज्य तथा स्वयं के अंश की जानकारी नहीं होती थी। नई व्यवस्था में मितानिन बहनों को प्रतिमाह राशि उनके बैंक खाते में मिलेगी जिसमें उनके केंद्र, राज्य और स्वयं के प्रोत्साहन राशि की जानकारी भी मितानिन पासबुक के माध्यम से मिलेगी।

जब मितानिन दीदियों के साथ पंगत में बैठकर मुख्यमंत्री ने किया भोजन

राजधानी रायपुर में मितानिन दीदियों को प्रोत्साहन राशि वितरण के लिए आयोजित 'नवा सौगात' कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मितानिन बहनों के साथ दोपहर का भोजन किया। मुख्यमंत्री श्री साय पंगत में बस्तर दरभा से आयी मितानिन दीदियों जयमनी नाग और कवर्धा की बैगा जनजाति की दसनी बाई के साथ भोजन करने बैठे। भोजन में दही मिर्ची, लाई बड़ी, बिजौरी, चावल पापड़, चना, लाल भाजी, जिमीकांदा, मुनगा की सब्जी, इडहर कड़ी, भरवा करेला, चावल, कोदो चावल, रोटी, मीठे में रागी लड्डू, अंदरसा, गुलगुला, पीड़िया, मट्ठा आदि परोसा गया। भोजन के प्रारंभ में फरूट सलाद भी सर्व किया गया। मुख्यमंत्री ने मितानिन दीदियों के साथ बड़े चाव के साथ भोजन किया।

25 जून संविधान हत्या दिवस घोषित

यह याद दिलाएगा कि देश को कैसे हालात से गुजरना पड़ा-पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष के संविधान बचाओ के नारे को लेकर चल रही सियासी जंग के बीच केंद्र ने आपातकाल के मुद्दे को अपना हथियार बनाया है। केंद्र सरकार ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित कर दिया है। केंद्र ने अपने इस फैसले को आपातकाल के खिलाफ लोकतंत्र बहाली की जंग लड़ने के दौरान अमानवीय यातना झेलने वाले लाखों लोगों का सम्मान करार दिया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना इस बात की याद दिलाएगा कि उस दिन क्या हुआ था और संविधान को कैसे कुचला गया था।गौरतलब है कि 1975 में इसी दिन तत्कालीन इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने देश पर आपातकाल लगाने का एलान किया था और देश में करीब 21 महीने तक आपातकाल लगा रहा था।

गृह मंत्रालय से 11 जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा की गई थी। इसके बाद उस समय की सरकार ने सत्ता का घोर दुरुपयोग किया और भारत के लोगों पर ज्यादतियां और अत्याचार किए गए। और जबकि भारत के लोगों को देश के संविधान और देश के मजबूत लोकतंत्र पर दृढ़ विश्वास है।

सुको से केजरीवाल को अंतरिम जमानत, मगर अभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी है. कोर्ट ने उन्हें बड़ी बेंच की सुनवाई होने तक के लिए अंतरिम जमानत दी है. कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हमने चुनावी फंडिंग को लेकर भी सवाल उठाया है. ऐसे में सिर्फ पूछताछ के आधार पर गिरफ्तारी की अनुमति नहीं दी जा सकती है. कोर्ट ने अब इस मामले में तीन जजों की बेंच के गठन के लिए सीजेआई को भेजा है.

हालांकि, कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद भी सीएम केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे. ऐसा इसलिए क्योंकि सीएम केजरीवाल सीबीआई ने एक अलग मामले में भी गिरफ्तार किया हुआ है. लिहाजा, वो दूसरे मामले में अभी जेल में ही रहेंगे. आपको बता दें कि सीएम केजरीवाल को जिस मामले में अंतरिम जमानत मिली है उस मामले की जांच ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) कर रही थी. आपको बता दें कि दिल्ली कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कुछ दिन पहले चार्जशीट दाखिल की थी.

कलेक्टर ने समस्या निवारण शिविरों का किया निरीक्षण

मछली-मटन मार्केट की समस्याओं का निराकरण करने दिए निर्देश

बिलासपुर (समय दर्शन)। नगर निगम क्षेत्र में आयोजित किये जा रहे जन समस्या निवारण शिविरों को अच्छा जन प्रतिसाद मिल रहा है। बड़ी संख्या में लोग शिविरों में पहुंचकर अपनी छोटी-छोटी समस्याओं का त्वरित निदान करा रहे हैं। कलेक्टर अवनीश शरण एवं निगम आयुक्त अमित कुमार ने आज 27 खोली, जरहाभांठा एवं टिकरापारा में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। ये शिविर नगर के भिन्न -भिन्न वार्डों में 10 अगस्त तक लगेंगी।

कलेक्टर श्री शरण ने शिविरों में पहुंच रही समस्याओं की प्रकृति एवं उनके निदान के तौर -तरीकों की जानकारी ली। उन्होंने समस्या लेकर पहुंचे कुछ लोगों से चर्चा भी की। एक एक अधिकारियों के टेबल पर पहुंचकर समस्याओं के निदान प्रक्रिया समझी। उन्होंने इन सभी आवेदनों का पंजी में दर्ज करने के निर्देश दिए ताकि फालो-अप किया जा सके। ज्यादातर लोग राशन कार्ड को लेकर आवेदन देने पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि यथासंभव आवेदन का मौके पर ही समाधान किया जाये। बड़ी उम्मीद के साथ लोग शिविरों में पहुंचते हैं। यदि कोई आवेदन नियम कायदों में फिट नहीं बैठता तो विनम्रता पूर्वक मार्गदर्शन दें। शिविरों में प्रमुख रूप से राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नामांतरण,सम्पति कर, लाईट,राजस्व प्रकरण, आवास, सड़क एवं नाली निर्माण, भवन निर्माण अनुमति, कचरा कलेक्शन आदि से संबंधित समस्याओं के आवेदन लिये जा रहे हैं।

मछली- मटन मार्केट का किया निरीक्षण

कलेक्टर अवनीश शरण ने तोरवा स्थित मछली एवं मटन मार्केट का भी निरींक्षण किया। विक्रेताओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने परिसर की रोज साफ-सफाई करने और गेट में लाईट लगाने के निर्देश दिए। परिसर में स्थित टॉयलेट की सफाई कर इसे चालू करने के निर्देश दिए। थोक मछली बाजार के लिए बने दुकानों को भी देखा। आवश्यक मरम्मत कर शनिचरी बाजार में संचालित थोक मछली बाजार को भी यहां स्थानांतरित करने के निर्देश दिए।

बाल विकास परियोजना में शुरू हुआ अभियान- एक वृक्ष माँ के नाम

एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी अंतर्गत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, विभागीय संस्था किशोर न्याय बोर्ड में एक वृक्ष माँ के नाम तथा जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान चलाकर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। जहां एक ही दिवस में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, पर्यवेक्षकों, विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों के माध्यम से सभी वार्ड पार्षदों ,जनप्रतिनिधियों ,स्व सहायता समूह के माताओं के समन्वय से 1370 फलदार ,छायादार आदि पौधे रोपित किये गए। कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना व प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की महतारी हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का शपथ लिया गया। साथ ही समाज को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व जल शक्ति से नारी शक्ति का संदेश प्रसारित किया गया।कार्यक्रम में विभाग से जिला कार्यक्रम अधिकारी तारकेश्वर सिन्हा , जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी उमाशंकर गुप्ता , बाल विकास परियोजना अधिकारी दीप्ति पटेल साहू, अधिक्षिका बाल सम्प्रेक्षण गृह अर्चना चौहान, किशोर न्याय बोर्ड के अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ली अधिकारियों की बैठक

क्षेत्र के नागरिकों को छोटे छोटे कार्य के भटकना ने पड़े

पाटन (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को पाटन ब्लॉक के सभी विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। रेस्ट हाउस में आयोजित बैठक में विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अधिकारियों को निर्देश दिया की छोटे छोटे कार्य के किसान आम नागरिक अभी भटक रहे है। बार बार कार्यालयों का चक्कर लगाना पढ़ रहा है। इसे लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए की लोगो को अपने कार्य को लेकर कार्यालयों का चक्कर काटना नही पड़े इसे ध्यान में रखे। उन्होंने खाद बीज की स्थिति की जानकारी ली। सेवा सहकारी समितियों में खाद की स्थिति का स्टाल अभी नही होने से किसान भटक रहे है। इन्होंने बताया की किसानों की समस्या है की उन्हें समय पर खाद नही मिल रहा है। इसके अलावा उन्होंने क्षेत्र में बिजली कटौती को लेकर भी बिजली विभाग की जमकर क्लास ली। इसके अलावा पर्याप्त संसाधन रहने के बाद भी किसानों को आम नागरिकों को लो वोल्टेज की समस्या का सामना क्यों करना पड़ रहा है। इसके बाद उन्होंने जल जीवन मिशन , पेयजल की जानकारी पी एच आई विभाग के अधिकारियों से ली। कुछ गांवों के नलकूप में गंदा पानी आने की शिकायत को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बांधो में पानी की स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर एसडीएम दीपक कुमार निकुंज, सी ई ओ मुकेश कोठारी सहित सभी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बिजली विभाग के अधिकारी फोन करने के बाद आए

बैठक में सभी विभाग के अधिकारी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आने से पहले पहुंच चुके थे। जानकारी मिली है श्री बघेल जब बैठक में पहुंचे तो पुलिस विभाग के अधिकारी नही आए थे। जिसे फोन कर बुलाया गया। बता दे की पिछले डेढ़ माह में पाटन विधानसभा क्षेत्र के 17 स्थानों पर चोरी हुई है। जिसमे से ज्यादातर आंगन बाड़ी केंद्र को चोर निशाना बना रहे है।

बैठक से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिले

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जब बैठक लेने पहुंचे तो सबसे पहले वो कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से मुलाकात किया। कार्यकताओं के क्षेत्र की समस्याओं से श्री बघेल को अवगत कराया। इस अवसर पर पूर्व ओ एस डी आशीष वर्मा, जवाहर वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष देवेंद्र चंद्रवंशी, कौशल चंद्राकर, राकेश ठाकुर, जनपद सदस्य दिनेश साहू, उमाकांत चंद्राकर, नीरज सोनी, आभास दुबे, रूपचंद साहू, सालिक साहू, देवेश चंद्राकर सहित अन्य मौजूद रहे।

मुस्लिम समाज, नंदिनी नगर ने कब्रिस्तान में किया वृक्षारोपण

अहिवारा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के द्वारा शुरू किए कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत मुस्लिम समाज नंदिनी नगर (अहिवारा) द्वारा शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद नंदिनी नगर, वार्ड नंबर 12 में स्थित मुस्लिम समाज के कब्रिस्तान में वृक्षारोपण कर लगभग 100 नीम के पौधे लगाए। इस अवसर पर नुरानी जामा मस्जिद, नंदिनी नगर के इमाम मोहम्मद फरीद साहब, कमेटी के सदर (अध्यक्ष) श्री शान मोहम्मद, उपाध्यक्ष शेख बसर, कमेटी मेम्बर नसीम अंसारी, मोहम्मद इजरान, अहमद अंसारी, मोहम्मद तौकीर, मोहम्मद नाहीद और बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद थे। इसी कड़ी में मुस्लिम समाज की महिलाओं द्वारा अपने - अपने घरों में वृक्षारोपण किया गया। इसकी जानकारी मुस्लिम समाज के अध्यक्ष शान मोहम्मद ने दी है।

जैविक खेती की ओर कदम बढ़ा रहे गोंदईया के किसान

शेड निर्माण से अस्वच्छता संबंधी समस्याओं का हुआ निदान

बिलासपुर (समय दर्शन)। जैविक खेती की ओर कदम बढ़ा कर जिले के किसान अब खेती-किसानी में क्रांति ला रहे है। भूमि की गुणवत्ता में सुधार लाने में भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे है। बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम गोंदईया में समूह की महिलाएं कचरा प्रबंधन कर एवं अपशिष्ट से तैयार जैविक उर्वरक एवं खाद का उपयोग कर सब्जी उत्पादन कर रही हैं। इस खेती से उन्हें 60 हजार से लेकर 70 हजार तक का वार्षिक लाभ हो रहा है। महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुधार आया है और वे अपने परिवार की जिम्मेदारियों में बखूबी अपना योगदान दे रही हैं।

समूह की महिलाओं ने बताया कि गांव में मनरेगा के तहत एसएलडब्ल्यूएम शेड, नाडेफ एवं वर्मी टेंक निर्माण किया गया है। इन कार्यों के लिए मनरेगा अंतर्गत लगभग 9.28 लाख रूपये की राशि स्वीकृत हुई थी। शेड के माध्यम ठोस एवं तरल अपशिष्ट के रूप में निकलने वाले कचरे का प्रबंधन कर जैविक खाद बनाया जा रहा है। अपशिष्टों को विभिन्न स्त्रोतों से एकत्र कर अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रिया के माध्यम से उनका निपटान किया जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि शेड निर्माण कार्य से अस्वच्छता संबंधी समस्याओं का निदान हुआ है। ग्राम पंचायत में स्वच्छता का माहौल बना है। ठोस एवं तरह अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है।

कांग्रेस का 1 जुलाई से 8500 रूपये देने का वादा झूठा-अनिल अग्रवाल

बसना(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी बसना के मण्डल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में गला फाड़ फाड़ कर कांग्रेस पार्टी द्वारा 1 जुलाई 2024 से 8500 रुपये हर महीने देने का वादा करना और उसे पूरा न करना देश की जनता के साथ एक गंभीर धोखा है। चुनाव में जनता ने अपने विश्वास के साथ 8500 रूपये मिलने की आस में कांग्रेस को वोट दिया ,यह उम्मीद करते हुए कि उनके वादों को निभाया जाएगा।

यह अत्यंत निराशाजनक है कि ऐसे बड़े-बड़े वादे केवल वोट लेने के लिए किए जाते हैं और बाद में उन्हें पूरा नहीं किया जाता। इससे न केवल जनता का भरोसा टूटता है, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना को भी ठेस पहुंचती है।

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गाँधी को यह समझना चाहिए कि वे जनता के प्रति जवाबदेह हैं और झूठे वादों से वोट लेना एक अनैतिक और अलोकतांत्रिक कृत्य है। सीधे सीधे यह कहा था कि, आप कांग्रेस पार्टी को वोट करो,, चुनाव जितने के बाद 1 जुलाई को हिंदुस्तान के करोड़ों गरीब भाई लोग जब आप सो कर उठोगे तो देखोगे की 8500 रूपये आपके खाते में आ गए ? अगस्त में 8500 रूपये, सितम्बर में 8500 रूपये आ गए,, इस प्रकार हर महीने खटाखट,, खटाखट,, खटाखट,, 8500 रूपये आपके खाते में आते जायेंगे। इसलिए जहाँ जहाँ झूठ बोलकर कांग्रेस ने चुनाव जीता है वहां की गरीब जनता को तो हर महीने 8500 रूपये मिलने चाहिए! पर क्यों नही मिल रहा है। ऐसा झूठ देश की गरीब जनता के साथ बहुत बड़ा धोखा है!

यह आवश्यक है कि ऐसे मामलों में जनता जागरूक हो और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाए। कांग्रेस को अपने वादों के प्रति जिम्मेदारी लेनी चाहिए और जनता से इस धोखे के लिए माफी मांगनी चाहिए। झूठे वादों से जनता को भ्रमित करना और फिर उन वादों को पूरा न करना, एक गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार है जो किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

सरायपाली सरसीवां मार्ग क्षतिग्रस्त, जानलेवा हो गए गड्ढे

शंकर लहरे

सागरपाली(समय दर्शन)। सरायपाली- सरसीवां मार्ग के रख रखाव के अभाव में जहां डामर की परतें उखड़ने लगी हैं वहीं जगह-जगह गड्ढे बनने से आवागमन पुरी तरह से बाधित हो रही है। सागरपाली के पास सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जमदरहा मोड़ से लेकर दुर्गापाली मोड तक बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। गड्ढों का आकार दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। गायत्री कंप्यूटर के सामने तो डबरीनुमा गड्ढा बन चुका है। इस डबरीनुमा गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता जिसके चलते आए दिन दुर्घटना हो रही है। इधर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा खराब हो रही सड़क की मरम्मत की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दी जा रही है। पीडब्ल्यूडी विभाग आखिर किस बात का इंतजार कर रहा है। समय रहते अगर इस सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो जान माल की हानि हो सकती है।

पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। क्षतिग्रस्त सड़क पर काम चलाऊ मुरम मिट्टी पाट देने से बारिश के समय सड़क किचड़ में तब्दील हो गई है। कीचड़ से राहगीरों को परेशानी हो रही है। बताया गया है कि पिछले वर्ष ही पी डबल्यू डी विभाग द्वारा सड़क मरम्मत (रिनिवल) का काम कराया गया था मगर साल भर के भीतर ही सागरपाली के पास सड़क खराब हो गई। क्षेत्र के लोगों ने सड़क मरम्मत करने की मांग की है मगर पीडब्ल्यूडी विभाग मरम्मत करना तो दूर गड्ढे भरने का काम भी नहीं कर रहा है। स्थानीय लोग ही गड्ढों को मुरूम मिट्टी एवं ईंट के टुकड़ों से पाट रहे हैं।

यह ज्ञातव्य हो कि सिरपुर-सरायपाली- सरसीवां- हसौद तक करीब 71 किलोमीटर सड़क का निर्माण एडीबीपी द्वारा कराया गया था। उसके बाद उचित रखरखाव के अभाव में सड़क क्षतिग्रस्त होने लगी। पिछले साल कांशीपाली से बिछिया तक करीब 6 किमी एवं इस वर्ष डोंगरीपाली से माता नाला तक करीब 2 किलोमीटर का मरम्मत कार्य कराया गया है। पूरे सड़क का रिनुअल कार्य दो-तीन वर्ष पहले ही कराया गया था मगर ठेकेदार की लापरवाही से इतनी जल्दी मरम्मत कराने की आवश्यकता पड़ रही है। यह सोचने वाली बात है। सड़क का इतनी जल्दी खराब होना कहीं न कहीं सड़क निर्माण के दौरान बरती गई लापरवाही को ही उजागर कर रहा।

इस मार्ग से होकर रोजाना जनप्रतिनिधि, सत्ता पक्ष से जुड़े नेता, अधिकारी गुजरते हैं क्या उन्हें ये बड़े-बड़े गड्ढे नजर नहीं आते या फिर जानबूझकर इन गड्ढों को अनदेखा कर रहे हैं।

सड़क किनारे साइड सोल्डर की सफाई नहीं

सड़क किनारे फुटपाथ (साइड सोल्डर) की नियमित सफाई नहीं होने से बरसाती झाड़ियां उग आयी हैं। सड़क किनारे उगे बेर, बबुल, गोहेरा, खजूर की कंटिली झाड़ियां राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। कई झाड़ियां तो अब पेड़ बन चुकी है। सड़क किनारे इन झाड़ियों का नियमित साफ-सफाई नहीं होने से आए दिन दुर्घटना हो रही है। झाड़ियों की वजह से बड़े वाहनों के आने से साइड देने या ओवरटेक करने मे दिक्कत होती है और इसी समय दुर्घटनायें हो रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय प्राथमिक शाला बिलखंड मे एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण

बसना(समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला बिलखंड में एक पेड़ मां के नाम थीम पर वन विभाग के डिप्टी जर बीरेंद्र पाठक एवं मोतीलाल साहू के दिशा निर्देश में एस एम सी सदस्यों, महिला समुह एवं पालकों द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया गया। जिसमें वन विभाग के डिप्टी रेंजर बीरेंद्र पाठक ने सभी महिलाओं एवं पालक को संदेश देते हुए कहा कि, अपने अपने घर बाड़ी और खेतों के मेंड पर एक पेड़ अवश्य लगायें और पर्यावरण को बचाएं।इस दौरान मुख्य रूप से डिप्टी रेंजर बीरेंद्र पाठक, मोतीलाल साहू, प्रधान पाठक विजय कुमार धृतलहरे, जर्नलिस्ट्स कुंजराम यादव, एस एम सी के महिला अध्यक्ष श्रीमती पुनय बाई चौहान, विमला भोई, सावित्री निषाद, मायावती निषाद, विद्यानंन्दनी चौहान, कनककुमारी चौहान, चन्द्रा बाई बरिहा, शुकुन बाई बरिहा,हिराबाई सिदार, बेदबाई चौहान, मीना बाई ,रमशीला बरिहा , मंगली निषाद, शैलेन्द्र चौहान, विओम चौहान, उपस्थित रहे।

आईटीआई कोनी में प्लेसमेंट कैम्प 16 को

बिलासपुर (समय दर्शन)। आईटीआई कोनी में जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा 16 जुलाई को सवेरे 10 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसाय के उत्तीर्ण 18 से 40 वर्ष आयु सीमा के पुरूष अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 16 जुलाई को सवेरे 10 बजे उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हो सकते है।

पद्मश्री से सम्मानित जागेश्वर यादव का टीआरआई बिलासपुर में किया गया सम्मान

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिरहोर के भाई के नाम से प्रसिद्ध पदमश्री जागेश्वर यादव का कार्यालय उपसंचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, क्षेत्रीय इकाई, बिलासपुर में आगमन हुआ। संस्थान द्वारा इस अवसर पर उनका शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख डॉ. रूपेन्द्र कवि (उपसंचालक), सूरजदास मानिकपुरी (सहायक संचालक), चन्द्रभुषण मिश्रा (विधी सहायक), रूपेश्वर सिंह (अनुसंधान सहायक), शेख हासिम शरीफ (सहा. ग्रेड-02), एस. तिर्की (सहा.ग्रेड-02) उपस्थित रहे। ध्यातव्य है कि राज्य में बिरहोर आदिवासियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति रंक्षण, सामाजिक जागरूपता, जीवन की गुणवत्ता में सुधार जैसे क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। बिरहोर आदिवासी और संस्थान के बीच विभिन्न सर्वेक्षण वस्तुस्थिति का आकलन के लिए समन्वय का कार्य किया। उनके इन उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024 के लिए इन्हे पदमश्री अलंकरण से अंलकृत किया गया।

रोहिना स्कुल में मनाया गया विश्व जनसंख्या दिवस

सागरपाली(समय दर्शन)। शासकीय हाई स्कूल रोहिना में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का संचालन करते हुए व्याख्याता कमलेश साहू ने बताया कि विश्व की आबादी साढ़े 8 अरब के करीब हो चुकी है। जब 1987 को विश्व की आबादी 5 अरब हुई तब उस वर्ष से 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में लिया गया। प्रभारी प्राचार्य एके जयसवाल ने विश्व जनसंख्या दिवस मनाने के औचित्य एवं प्रासंगिकता विषय पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंख्या किस गति से बढ़ रही है उसकी कल्पना नहीं कर सकते। जिस गति से बढ़ रही है उस गति से संसाधन नहीं बढ़ पा रहा है। जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश नहीं लगा तो बढ़ती आबादी एक विकराल समस्या बन सकती है। छात्रों को प्रोजेक्टर के माध्यम से भयावह रूप से बढ़ती हुई जनसंख्या के आंकड़ों को दिखाया गया। कमलेश साहू ने बताया कि चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संदीप सेठ, द्वितीय स्थान प्रिया गंधेल एवं तृतीय स्थान अजय राणा ने हासिल की। कार्यक्रम के दौरान बढ़ती हुई आबादी से होने वाले दुष्परिणामों को चित्र के माध्यम से दिखाया गया।

सार समाचार

सरेआम शराब पीते दर्जन भर गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते दर्जन भर लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने कचना के पास सरेआम शराब पीते आरोपी पुणेन्द्र साहू 36 वर्ष व कुलदीप पैकरा 43 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं पंडरी पुलिस ने आरोपी पसनजीत परमानी 23 वर्श व योगेन्द्र साहू 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी पंचराम साहू 20 वर्ष एवं पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपी ओम साहू 30 वर्ष व आकाश कुमार साहू 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

गांजा के साथ दो लोग पकड़ाए

रायपुर(समय दर्शन)। टिकरापारा पुलिस ने कौशल्या माता विहार के पास अवैध गांजा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 8 किलो 800 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कौशल्या विहार सेक्टर 5 कमल विहार के पास आरोपी अशोक नाहक 55 वर्ष निवासी उड़िसा सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से एक थैले में 8 किलो 800 ग्राम गांजा जब्त किया है।

देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। गुढ़ियारी पुलिस ने अवैध शराब बेचते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 22 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 110 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार गुढ़ियारी पुलिस ने खालबाड़ा में दबिश देकर अवैध शराब बेचते आरोपी शेखर गोश्वामी 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 22 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 110 रुपए जब्त किया है।

सात जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर(समय दर्शन)। आरंग पुलिस ने जुआ खेलते 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 59670 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार आरंग पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम हरदीडीह एनीकेट के पास जुआ खेलते आरोपी दीपक चंद्राकर सहित अन्य 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 59670 रुपए जब्त किया है।

ग्राम चिल्फी में आयोजित इस शिविर में 178 लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

डिप्टी सीएम शर्मा के निर्देश पर चिल्फीघाटी में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रायपुर(समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के पहल पर 10 जुलाई को कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के वनांचल क्षेत्र ग्राम चिल्फीघाटी में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री द्वारा दिये गये निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह शिविर प्रत्येक माह की 10 और 25 तारीख को 3 माह तक आयोजित किया जाएगा। ग्राम चिल्फी में आयोजित इस शिविर में 178 लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में विशेषज्ञ शिशु रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र, दंत, चर्म, फिजियोथेरेपी, मनोरोग और सामान्य सर्दी, खांसी, बुखार संबंधी इलाज की सेवाएं प्रदान की गईं। एनसीडी प्रोग्राम के तहत 70 लोगों की स्क्रीनिंग जांच भी की गई। बोड़ला बीएमओ डॉ. विवेक चंद्रवंशी ने बताया कि शिविर में 178 मरीजों का जांच कर उपचार किया गया। एनसीडी प्रोग्राम के तहत 70 लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। 15 लोगों का मलेरिया, 30 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिसमें 9 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित कर जिला चिकित्सालय में ऑपरेशन की सलाह दी गई। स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा 35 महिलाओं का चेकअप किया गया, जिसमें से 1 महिला को जिला अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई। शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा 52 मरीजों का इलाज किया गया, जिसमें 2 बच्चों को जिला अस्पताल में भर्ती के लिए चिन्हित किया गया। ऑर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ द्वारा 20 मरीजों का, सर्जरी रोग विशेषज्ञ द्वारा 14 मरीजों का उपचार किया गया और मरीजों को सर्जरी के लिए चिन्हांकित किया गया।

अब छत्तीसगढ़ के हर घरों में लगेगा स्मार्ट मीटर

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में बिजली उपभोक्ताओं को अब प्रीपेड मोबाइल, डीजीएच और ब्रॉडबैंड की तरह अपने बिजली मीटर को भी पहले रिचार्ज कराना होगा। इसके बाद उन्हें बिजली की आपूर्ति की जायेगी. इन दिनों रायपुर समेत प्रदेश भर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। प्रदेश भर में 54 लाख से ज्यादा उपभोक्ता हैं, जिनके घरों में स्मार्ट मीटर लगेंगे, जो मोबाइल सिम की तरह काम करेंगे। ग्राहकों को तय पैकेज के आधार पर मीटर को रिचार्ज कराना होगा। ग्राहक जितना रिचार्ज कराएंगे उतनी ही बिजली खर्च कर सकेंगे। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि मीटर लगने से पूरा सिस्टम ऑटोमैटिक हो जाएगा। रिचार्ज खत्म होने पर बिजली की आपूर्ति बंद हो जाती है, ठीक वैसे ही जैसे मोबाइल फोन का रिचार्ज खत्म होने पर कॉलिंग, इंटरनेट और एसएमएस बंद हो जाता है। हालाँकि, यदि रिचार्ज रात में समाप्त हो जाता है, तो बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होगी। लेकिन, उसे अगली सुबह ही स्मार्ट मीटर को रिचार्ज कराना होगा। सीएसपीडीसीएल अधिकारियों के मुताबिक फ्लिहाल शहर की विभिन्न कॉलोनियों के हर घर में ट्रायल के तौर पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिन्हें कुछ दिनों बाद रिचार्ज कराना होगा।

रायपुर स्मार्ट सिटी की आई.टी.एम.एस. प्रणाली को केंद्र सरकार की संयुक्त सचिव रूपा मिश्रा ने सराहा

रायपुर(समय दर्शन)। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने आज रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और स्मार्ट रीडिंग जोन सह लाइब्रेरी तक्षशिला का अवलोकन किया। उन्होंने विश्व स्तरीय यातायात प्रबंधन की इस प्रणाली के अंतर्गत स्वच्छता, सुरक्षा, अपराध नियंत्रण विषयक नवाचारों की सराहना की है। तक्षशिला लाइब्रेरी में युवा प्रतिभागियों को अध्ययन सुविधा प्रदान करने के लिए रायपुर में उन्नत सुविधाओं की भी विस्तार से जानकारी ली एवं युवाओं का मार्गदर्शन किया। राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शशांक पांडेय भी भ्रमण में उनके साथ थे। इस दौरान नगर निगम आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा के साथ मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल ने नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए रायपुर में संचालित विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में उन्हें विस्तार से अवगत कराया । संयुक्त सचिव श्रीमती मिश्रा ने महानगरों की तर्ज पर विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप विकास गतिविधियों के संचालन को अन्य शहरों के लिए भी अनुकरणीय कहा आई.टी.एम.एस. में उन्होंने यातायात प्रबंधन प्रणाली के साथ-साथ स्वच्छता संबंधी नवाचारों की भी विस्तार से जानकारी ली। भ्रमण के दौरान नगर निगम और स्मार्ट सिटी के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सरकार धान बीज की उपलब्धता के लिये गंभीर नहीं है - दीपक बैज

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि खरीफ का सीजन आ चुका है, किसान बोने की तैयारी करके मानसून का इंतजार कर रहा है, लेकिन किसान विरोधी साय सरकार छत्तीसगढ़ के 80 प्रतिशत सोसायटीयों में खाद और बीज आवश्यक मात्रा में अब तक नही पहुंचा पाई है। किसान खाद बीज के लिये सोसायटियों के चक्कर काटने को मजबूर है। सरकार की तरफ से खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये अभी तक कोई ठोस प्रयास शुरू नहीं किया गया है। किसानों के लिये उर्वरक की उपयोगिता उसके समय पर मिलने पर ही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार की अकर्मण्यता और संवेदनहीनता के चलते छत्तीसगढ़ के किसान खाद और बीच के लिए भटक रहे हैं। खरीफ सीजन 2024-25 के लिए जो खाद और बीज डबल लॉक के गोदामों में रखे गए हैं, वहां से सिंगल लॉक की सोसाइटियों तक पहुंचाने के लिए परिवहन की व्यवस्था नहीं है।

OPPO इंडिया ने Reno12 5G सीरीज़ लॉन्च की; एआई फोन की उपलब्धता आसान बनाई

रायपुर। आज OPPO इंडिया ने रेनो 12 सीरीज़ लॉन्च की। यह देश में एआई फोन की उपलब्धता बढ़ाने की ओर कंपनी का पहला कदम है। रेनो 12 सीरीज़ ''आपकी दैनिक सहयोगी'' है। इसमें एआई इरेज़र 2.0, एआई क्लियर फेस, और स्मार्ट इमेज मैटिंग 2.0 जैसी खूबियाँ हैं, जो बिना किसी जटिल इमेज एडिटिंग के बेहतरीन और मनोरंजक फेटो प्रदान करती हैं। इस डिवाईस में एआई टूलबॉक्स दिया गया है, जो गूगल जेमिनी एलएलएम द्वारा पॉवर्ड है। इसमें टूलबॉक्स में एआई राईटर, एआई समरी, एआई स्पीक आदि हैं, जिनसे दैनिक उत्पादकता बढ़ती है।

Reno12 Pro 5G दो वैरिएंट में उपलब्ध होगा। इसका 12जीबी+256जीबी का वैरिएंट 36,999 रु. में और 12जीबी+512जीबी का वैरिएंट 40,999रु. में मिलेगा। रेनो12 5जी का मूल्य 32,999रु. होगा और यह 8जीबी रैम एवं 256जीबी स्टोरेज के वैरिएंट में आएगा। Reno12 Pro 5G की सेल भारत में 18 जुलाई को शुरू होगी और Reno12 5G 25 जुलाई से OPPO e-Store, Flipkart, और सभी मेनलाईन रिटेल आउटलेट्स पर मिलना शुरू होगा।

इस लॉन्च के बारे में पीटर डोह्यूंग ली, हेड ऑफ प्रोडक्ट स्ट्रेट्जी, OPPO ने कहा, ''रेनो 12 सीरीज़ OPPO की एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ हमने एआई फोन को अपनाने में तेजी लाई है। रेनो सीरीज़ में OPPO की आधुनिक जेनएआई क्षमताएं, फ्यूचरिस्टिक फ्लुड डिज़ाईन, और अतुलनीय एनर्जी एफिशियंसी दी गई हैं।

केनरा रोबेको ने 'केनरा रोबेको बैलेंस्ड एडवांटेज फंड' लॉन्च किया

रायपुर। भारत के दूसरे सबसे पुराने परिसंपत्ति प्रबंधक, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने आज केनरा रोबेको बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के लॉन्च की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड है, जिसका लक्ष्य जब बाजार अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो तो अल्फा उत्पन्न करना और बुरे समय में नकारात्मक जोखिम को कम करना है। बाज़ार अवधि. एनएफओ 12 जुलाई 2024 को खुलेगा और 26 जुलाई 2024 को बंद होगा। फंड का सकल आवंटन इक्विटी के लिए 65त्न या अधिक होगा, जो निवेशकों के लिए इक्विटी कराधान सुनिश्चित करेगा। बाकी का निवेश ऋण और मनीमार्केट उपकरणों में किया जाएगा। इसका उद्देश्य बाजार की अस्थिरता के कारण निवेशकों के व्यवहार में अंतर को दूर करना भी है। केनरा रोबेको बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आय सृजन के साथ दीर्घकालिक पूंजी प्रशंसा के लक्ष्य के साथ इक्विटी और ऋण के जोखिम को गतिशील रूप से बदल देगा। यह फंड उन म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जो इक्विटी के लिए अपने जोखिम को गतिशील रूप से बदलने की विधि की तलाश कर रहे हैं। यह फंड उन लोगों के लिए भी उपयुक्त हो सकता है केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड के सीईओ श्री रजनीश नरूला ने कहा, जो निवेशक संभावित नुकसान को कम करते हुए बाजार की रैलियों में अपनी भागीदारी को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। फंड में परिसंपत्ति आवंटन एक मालिकाना तीन-कारक परिसंपत्ति आवंटन मॉडल द्वारा निर्देशित किया जाएगा जिसका 20-वर्ष से अधिक की अवधि में परीक्षण किया गया है।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला अस्पताल-बालोद, (छ.ग.)
Phone No 07749-223924, E-mail ID- civilsurgeonbalod@gmail.com RURAL HEALTH

कमांक/जि.चि. / सफाई निविदा/2024/1978 बालोद, दिनांक 10.07.2024

निविदा आमंत्रण

जिला चिकित्सालय बालोद में साफ-सफाई के लिए वर्ष 2024-25 हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्तें) अधोहस्ताक्षर (सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक) के कार्यालय में 2000 /- रू. (दो हजार रूपये मात्र) जमा कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है जो वापसी योग्य नही है।

निविदा प्रपत्र रू. 2000/- जमा कर प्राप्त करने की अंतिम तिथि	दिनांक 25.07.2024 समय सायं 05:00 बजे तक
निविदा प्रपत्र पंजीकृत / स्पीड पोस्ट से प्राप्त करने की अंतिम तिथि	दिनांक 31.07.2024 को दोपहर 03:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 31.07.2024 को सायं: 04:00 बजे से

निविदा खोलने की तिथि एवं समय में अपरिहार्य कारणो से परिवर्तित किया जा सकता है, जिसकी सूचना कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा कर दी जावेगी।

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय बालोद, (छ.ग.)

जी- 242501001/1

कार्यालय सिविल सर्जन-सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय-बेमेतरा (छ.ग.)
ईमेल :-csdhbemetara@gmail.com फोन नं. 07824-222-150

पत्र.क्र./जि.चिकि./निविदा/2024-25/1414 बेमेतरा, दिनांक. 09/07/2024

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

जिला चिकित्सालय बेमेतरा में निविदा विज्ञप्ति वर्ष 2024-25 के लिए (एक वर्ष के लिए) अधोहस्ताक्षकर्ता द्वारा जिला चिकित्सालय बेमेतरा अंतर्गत भोजन व्यवस्था / सफाई व्यवस्था / सुरक्षा व्यवस्था हेतु पृथक-पृथक सील बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र शर्ते एवं अन्य जानकारी राशि 3000.00 (तीन हजार रूपयें) जमा कर कार्यालयीन समय प्रातः 11 बजे से सायं 05 बजे तक कार्यालयीन दिवस (शासकीय अवकाश को छोड़कर) में कार्यालय के कक्ष क्रमांक 36 से प्राप्त किया जा सकता है ।

क्र.	निविदा का विवरण	निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि		निविदा जमा करने की अंतिम तिथि		निविदा खोलने की तिथि	
		तिथि	समय	तिथि	समय	तिथि	समय
1	सुरक्षा व्यवस्था	08.08.2024	दोपहर 02 बजे तक	12.08.2024	दोपहर 02 बजे तक	12.08.2024	शाम 04 बजे
2	सफाई व्यवस्था	08.08.2024	दोपहर 02 बजे तक	12.08.2024	दोपहर 02 बजे तक	13.08.2024	शाम 04 बजे
3	भोजन व्यवस्था	08.08.2024	दोपहर 02 बजे तक	12.08.2024	दोपहर 02 बजे तक	14.08.2024	शाम 04 बजे

टीप :-
1. निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाईट http://bemetara.gov.in से भी प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा खोलने की तिथि में अधोहस्ताक्षकर्ता द्वारा आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है ।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय बेमेतरा छ.ग.

G-242500980/2

थर्मेक्स ने छत्तीसगढ़ में अपने रिडिस्कवर रोडशो में पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लाभ पहुंचाने वाले पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा समाधानों का प्रदर्शन किया

रायपुर (समय दर्शन)। ऊर्जा और पर्यावरण समाधान प्रदान करने और एनर्जी ट्रांजिशन के मामले में विश्वसनीय भागीदार थर्मेक्स ने छत्तीसगढ़ में आयोजित अपने रिडिस्कवर रोडशो में पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा समाधानों का प्रदर्शन किया, जो इस क्षेत्र के उद्योगों को पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लाभों की पेशकश करता है।

छत्तीसगढ़ लौह अयस्क, डोलोमाइट और कोयला जैसे खनिजों का अग्रणी उत्पादक राज्य है। यह भारत के 15त्न स्टील और 100त्न एल्युमीनियम का उत्पादन करता है। छत्तीसगढ़ 2024-29 के लिए अपनी नई औद्योगिक नीति और अपने सतत विकास लक्ष्यों को तैयार करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है, और थर्मेक्स के एनर्जी ट्रांजिशन समाधान इस क्षेत्र का नेतृत्व और समर्थन करना जारी रखेंगे। रिडिस्कवर के छत्तीसगढ़ संस्करण में थर्मेक्स के नवीनतम इनोवेशन और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों को प्रदर्शित करने पर ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम में भाप और बिजली उत्पादन, वायु प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ बायो-सीएनजी, कोयला गैसिफिकेशन, सौर और पानी एवं अपशिष्ट पानी के लिए नवीनतम तकनीकों वाले महत्वपूर्ण समाधानों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें इन-हाउस विकसित एमवीआर (मैकेनिकल वेपर रिकंप्रेशन) आधारित जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) सिस्टम शामिल था।

इस क्षेत्र में स्टील और सीमेंट सेक्टर में महत्वपूर्ण विस्तार और विकास देखने को मिला है, जो अब भी लगातार जारी है। औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में सक्रिय रूप से योगदान करते हुए, थर्मेक्स ने स्पंज आयरन एग्जॉस्ट, सीमेंट हीट रिकवरी और विभिन्न दूसरे एग्जॉस्ट ऐप्लीकेशंस के लिए अपशिष्ट हीट रिकवरी बॉयलर की कई यूनिट्स की सफलतापूर्वक आपूर्ति की है।

पिछले 4-5 वर्षों में चावल मिलिंग उद्योग का काफी विस्तार हुआ है, इस क्षेत्र में 500-600 मिलें चल रही हैं। यह वृद्धि चावल की भूसी के तेल सहित चावल और चावल-आधारित उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है, जिसके लिए उन्नत हीटिंग और यूटिलिटी समाधान की आवश्यकता है। थर्मेक्स ने इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए टर्नकी समाधान के रूप में लगभग 300 स्टीम बॉयलर की आपूर्ति की है।

इसके अलावा, थर्मेक्स ने छत्तीसगढ़ क्षेत्र के अधिकांश लोहा और इस्पात निर्माताओं को 200 से अधिक इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर (ईएसपी) की सप्लाई की है। थर्मेक्स के वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण जैसे ईएसपी, और बैग फिल्टर आदि कण उत्सर्जन को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही ये समाधान पर्यावरण पर प्रभाव को नियंत्रित करने और श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा के लिए कार्यस्थल उत्सर्जन को कम करने में मदद करते हैं।

इस रोड शो के माध्यम से ग्राहकों के साथ सहयोग के बारे में, थर्मेक्स के एमडी और सीईओ आशीष भंडारी ने कहा, थर्मेक्स इनोवेशन, विशेषज्ञता और साझेदारी के माध्यम से ऊर्जा उपलब्धता और ऊर्जा स्थिरता के बीच अंतर को कम करने के लिए समर्पित है। हम ठोस और औद्योगिक अपशिष्ट, जैव(डुद्धश) और कृषि अपशिष्ट, और अपशिष्ट ताप । इसके अलावा हम हाइब्रिड नवीकरणीय और हरित हाइड्रोजन जैसे नए समाधानों का भी नेतृत्व कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य हमेशा उद्योगों को उनकी नई और बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करना रहा है, साथ ही हम उन्हें और राज्य को उनके जलवायु प्रतिबद्धता लक्ष्यों में भी समर्थन दे रहे हैं।

संपादकीय

यूएमएल का नेपाली कांग्रेस के साथ नया गठबंधन

नेपाल में पिछले तीन-चार दिनों में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुए उनके नतीजे सोमवार की आधी रात को सामने आए। इस नाटकीय घटनाक्रम में सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में शामिल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) ने नेपाली कांग्रेस के साथ नया गठबंधन बनाने को लेकर समझौता कर लिया। समझौते के तहत कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करेंगे। इन दोनों नेताओं ने सरकार बनाने के संबंध में अर्धरात्रि को जो समझौता किया इससे जाहिर होता है कि वे दिन के उजाले में नेपाल की समकालीन राजनीति के साथ फरेब वाला समझौता करने से भयभीत थे। देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियां और उनके दो कद्दावर नेताओं ने नई गठबंधन सरकार बनाने को लेकर जिस तरह का निर्णय लिया वह नेपाल की लोकतांत्रिक राजनीति को ढलान की ओर ले जाता है। संविधान और लोकतंत्र के नाम पर किए गए इस राजनीतिक समझौते से देश का राजनीतिक भविष्य एक बार फिर अनिश्चितता की ओर बढ़ रहा है। समझौते के मुताबिक, पहले ओली डेढ़ साल के लिए प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे और उसके बाद देउबा के लिए अपना पद छोड़ेंगे। लेकिन नेपाल के राजनीतिक उतार-चढ़ाव को देखकर कहना मुश्किल है कि ओली समझौते के मुताबिक अपने वादे को निभाएंगे। ओली और देउबा के बीच में सत्ता के लिए जो समझौता हुआ है, वह कितने दिन तक चल पाएगा अभी से कहना मुश्किल है क्योंकि दोनों नेता जिन दलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वे वैचारिक रूप से धुर विरोधी हैं। इसलिए कहा जाना चाहिए कि कपड़ों की तरह गठबंधन का सहयोगी बदलने के पीछे कोई सिद्धांत नहीं, बल्कि सत्ता की चाह काम करती है। हालांकि सत्ता के इस उलटफेर के भी कुछ सकारात्मक संदेश हैं। नेपाली संसद की कुल 275 सीटों में से 88 नेपाली कांग्रेस और 79 सीटें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के पास हैं। मात्र 32 सीटें वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) के नेता प्रचंड जोड़-तोड़ करके प्रधानमंत्री बन जाते हैं। ओली और देउबा के समझौते से इस तरह की प्रवृत्ति को धक्का पहुंचा है। इसे नेपाली राजनीति के लिए शुभ कहा जाना चाहिए।

जनसंख्या नियंत्रण के लिये क्रांति का शंखनाद हो

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को मनाया जाता है, यह दिवस 11 जुलाई, 1987 से मनाया जाता है, जब दुनिया की आबादी 5 अरब हो गयी थी। यह दिवस जनसंख्या वृद्धि, इसके विकास एवं स्थिरता पर प्रभाव के जटिल मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समूची दुनिया को एकजुट करता है और आयोजनात्मकता से आगे बढ़कर वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों और अवसरों पर वैश्विक संवाद और कार्रवाई को उत्प्रेरित करता है। यह सतत और संतुलित भविष्य प्राप्त करने एवं शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देता है। वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या आठ अरब 11 करोड़ 88 लाख के लगभग है जो वर्ष 2023 से 0.91 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। इसी अवधि में भारत की जनसंख्या एक अरब 44 करोड 17 लाख है जो वर्ष 2023 से 0.92 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। भारत जनसंख्या के हिसाब से चीन को पीछे छोड़ कर विश्व में पहले नंबर पर आ गया है। चीन की वर्तमान जनसंख्या 1 अरब 42 करोड़ 51 लाख है। जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाब डालती है। जनसंख्या जिस तीव्र गति से बढ़ रही है, उस गति से आर्थिक विकास एवं अन्य विकास नहीं हो रहा है, जो एक गंभीर समस्या के रूप में बड़ी चुनौती है।

बात जब जनसंख्या वृद्धि की हो रही है तो दुनिया में भारत की बढ़ती जनसंख्या न केवल चौंका रही है, बल्कि एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ रही है। भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला मुल्क हो गया है, परेशानी में डालने वाली इस खबर के प्रति सचेत एवं सावधान होने के साथ सख्त जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू करने की अपेक्षा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत साल 2023 में ही चीन से ज्यादा आबादी वाला देश हो गया था। जबकि पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि साल 2027 में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होगा। बढ़ती जनसंख्या की चिन्ता में डूबे भारत के लिये चार साल पहले ही दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होना कोई गर्व की बात नहीं है। भारत के लिये बढ़ती आबादी एवं सिकुड़ते संसाधन एक त्रासदी है, एक विडम्बना है, एक अभिशाप है। क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधनों की वृद्धि सीमित है। जनसंख्या वृद्धि ने कई चुनौतियों को जन्म दिया है किंतु इसके नियंत्रण के लिये कोरे कानूनी तरीके को एक उपयुक्त कदम नहीं माना जा सकता। इसके लिये सरकार को जनसंख्या पर तुरंत पारदर्शी एवं सख्त नियंत्रण के कदम उठाने के साथ, भारत के लिये प्रभावी जनसंख्या नीति को लागू करना, आम जनता की सोच एवं संस्कृति में बदलाव लाना होगा, लेकिन दुर्भाग्य से अभी कुछ हो ही नहीं रहा है।

पूरी दुनिया की आबादी में अकेले एशिया की 61 फीसदी हिस्सेदारी है। यह रिपोर्ट साफ इशारा करती है कि जहां कम आबादी है, वहां ज्यादा संपन्नता है। भारत में दिन-प्रतिदिन जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, इसी से बेरोजगारी बढ़ रही है, महंगाई भी बढ़ने का कारण यही है, संसाधनों की किल्लत भी इसी से बनी हुई है। यही एक कारण भारत को दुनिया की महाशक्ति बनाने की सबसे बड़ी बाधा है। ऐसे में सबको नौकरी मिलना इतना आसान नहीं। इसलिए सरकार शीघ्र सुसंगत जनसंख्या नीति लागू करे। जिसको दिक्कत हो और ज्यादा बच्चे पैदा करके मनमानी करनी हो, उनके खिलाफ कानूनी सजा के प्रावधान किये जाये। यह एक अराष्ट्रीय सोच है कि अधिक बच्चे पैदा करके उनकी जिंदगी कष्ट में झोंकना। जब बच्चे को सुखी जिंदगी नहीं दे सकते, तो दूसरों के भरोसे उन्हें पैदा करने की प्रवृत्ति शर्मनाक है। यह देखने में आ रहा है कि आज के वैज्ञानिक युग में भी कुछ समुदाय बच्चे पैदा करने को लेकर रूढ़िवादी नजरिया अपनाए हुए हैं और उनकी प्रतिक्रिया में अन्य समुदायों के नेता भी ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत करने लगे हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। इस तरह जनसंख्या बढ़ोतरी की पैरोकारी करने वालों की निंदा की जानी चाहिए, चाहे वे किसी मजहब के हों। क्योंकि देश की तरक्की की सबसे बड़ी बाधा बढ़ती जनसंख्या ही है। भारत में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में राजनीति एवं तथाकथित स्वार्थी राजनीतिक सोच बड़ी बाधा है। अधिकांश कट्टरवादी मुस्लिम समाज लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था का अनुचित लाभ लेने के लिए अपने संख्या बल को बढ़ाने के लिये सर्वाधिक इच्छुक रहते हैं और इसके लिये कुछ राजनीतिक दल उन्हें प्रेरित भी करते हैं। ऐसे दलों ने ही उद्घोष दिया है कि ''जिसकी जितनी संख्या भारी सियासत में उसकी उतनी हिस्सेदारी।'' जनसंख्या के सरकारी आकड़ों से भी यह स्पष्ट होता रहा हैं कि हमारे देश में इस्लाम सबसे अधिक गति से बढ़ने वाला संप्रदाय-धर्म बना हुआ हैं। इसलिए यह अत्यधिक चिंता का विषय है कि ये कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या को बढ़ा कर देश के लिये बड़ी समस्या खड़ी कर रहे हैं। सीमावर्ती प्रांतों जैसे पश्चिम बंगाल, आसाम, कश्मीर आदि में वाकायदा पडौसी देशों से मुस्लिमों की घुसपैठ कराई जाती है और उन्हें देश का नागरिक बना दिया जाता है, यह एक तरह का जनसंख्या जिहाद है क्योंकि इसके पीछे इनका छिपा हुआ मुख्य ध्येय हैं कि धर्मनिरपेक्ष भारत का इस्लामीकरण किया जाये।

हमारी जनसंख्या नियंत्रण संबंधी नीतियां बहुत उदार रही हैं, जिसकी वजह से हम आबादी बढ़ने की रफ्तार को जरूरत के हिसाब से थाम नहीं पाए। चीन ने साल 1979 में ही एक संतान नीति को पूरी कड़ाई से लागू कर दिया था, इसका नतीजा हुआ कि उसे आबादी की रफ्तार रोकने में कामयाबी मिली। ध्यान देने की जरूरत है कि साल 1800 में भारत की जनसंख्या लगभग 16.90 करोड़ थी। चीन आबादी के मामले में कभी भारत से लगभग दोगुना था। 1950 के बाद दोनों देशों की आबादी तेजी से बढ़ने लगी। साल 1980 में चीन एक अरब जनसंख्या तक पहुंच गया। इसके ठीक एक वर्ष पहले वहां एक संतान की नीति लागू हुई थी। भारत साल 2000 में एक अरब के आंकड़े के पार पहुंचा और अब चीन से आगे निकल गया है। चीन एक संतान की नीति को 2016 में वापस ले चुका है, लेकिन इसके बावजूद वहां आबादी पर नियंत्रण है, क्योंकि वहां की राष्ट्रीय भावना, संस्कृति और सोच, दोनों में बदलाव आ चुका है। लेकिन भारत में ऐसा न होने का कारण राजनीति एवं उसके द्वारा पोषित मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है। इसके वितरीत विभिन्न मुस्लिम देश टर्की, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मिस्र, सीरिया, ईरान, यू.ऐ. ई., सऊदी अरब व बांग्लादेश आदि ने भी कुरान, हदीस, शरीयत आदि के कठोर रुढ़ीवादी नियमों के उपरांत भी अपने-अपने देशों में जनसंख्या वृद्धि दर नियंत्रित करने के कठोर उपक्रम किये हैं।

भारत की स्थिति चीन से पृथक है तथा चीन के विपरीत भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ हर किसी को अपने व्यक्तिगत जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार है। भारत में कानून का सहारा लेने के बजाय जागरूकता अभियान, शिक्षा के स्तर को बढ़ाकर तथा गरीबी को समाप्त करने जैसे उपाय करके जनसंख्या नियंत्रण के लिये प्रयास होने चाहिये। परिवार नियोजन से जुड़े परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिये तथा ऐसे परिवार जिन्होंने परिवार नियोजन को नहीं अपनाया है उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से परिवार नियोजन हेतु प्रेरित करना चाहिये। बेहतर तो यह होगा कि शादी की उम्र बढ़ाई जाए, स्त्री-शिक्षा को अधिक आकर्षक बनाया जाए, परिवार-नियंत्रण के साधनों को मुफ्त में वितरित किया जाए, संयम को महिमा-मंडित किया जाए और छोटे परिवारों के लाभों को प्रचारित किया जाए। शारीरिक और बौद्धिक श्रम के फासलों को कम किया जाए। जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिल्कुल सही कहा है कि जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों से सभी मत, मजहब, वर्ग को समान रूप से जोड़ा जाना चाहिए। अनियंत्रित जनसंख्या भी अघोषित आतंकवाद एवं जिहादी मानसिकता ही है, यह राष्ट्र की प्रगति एवं संसाधनों को जड़ करने एवं बांधने का जरिया है। क्योंकि लोगों के आवास के लिए कृषि योग्य भूमि और जंगलों को उजाड़ा जा रहा है। यदि जनसंख्या विस्फोट यूं ही होता रहा तो लोगों के समक्ष रोटी, कपड़ा, मकान और पर्यावरण की विकराल स्थिति उग्रत्तर होती जायेगी। इससे बचने का एक मात्र उपाय यही है की हम येन केन प्रकारेण बढ़ती आबादी को रोकें। इसके लिये चीन के द्वारा अपनायी गयी जनसंख्या नियंत्रण नीति पर भी ध्यान देना चाहिए। अन्यथा विकास का स्थान विनाश को लेते अधिक देर नहीं लगेगी।

एक ही व्यक्ति नारायण भी और भोले भी

हरिशंकर व्यास

हाथरस में एक बाबा के सत्संग की भगदड़ में करीब सवा सौ लोग मरे तब देश में ज्यादातर लोगों को सूरजपाल जाटव उर्फ भोले बाबा के बारे में मालूम हुआ। लोग इन बाबा को नहीं जानते थे लेकिन अब पूरी कुंडली सब लोग जान गए हैं। सूरजपाल पहले खेती किसानी करता था, फिर उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हो हुआ। वहां से निकल कर नारायण हरि उर्फ भोले बाबा बना। सोचें, नारायण भी और भोले भी यानी विष्णु भी और शिव भी एक ही व्यक्ति बन गया! अब सबको पता है कि इस बाबा के खिलाफ कई मुकदमे थे, जिसमें एक लड़की छेड़ने का भी मुकदमा था। इस बाबा के पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में लाखों भक्त हैं। बाबा के आठ आश्रम बताए जा रहे हैं और करोड़ों की संपत्ति बताई जा रही है।

भगदड़ की वजह से बाबा की खोज हुई है। लोगों ने इस बाबा को जाना है। मगर ऐसे कितने ही बाबा देश के अलग अलग हिस्सों में और अलग अलग जातीय समूहों की भीड़ को भक्त बना कर आश्रम और मठ चला रहे हैं, जिनके बारे में लोगों को पता नहीं है। बाबा सूरजपाल मुर्दों में जान फूंक देने का दावा करता था, जिसे लेकर एक मुकदमा हुआ था।

भक्तों की भीड़ बाबा के चमत्कार में विश्वास करती हैं। भक्तकहते हैं कि बाबा ने दुनिया बनाई है और वे ब्रह्मांड के स्वामी हैं लेकिन भगदड़ में हुई मौतों के लिए उसको जिम्मेदार नहीं ठहराते हैं और न उसको कहा कि वह इन मुर्दों में जान फूंक दे। बहरहाल, पिछले 25 साल में यानी 21वीं सदी की पहली चौथाई में यह कमाल की अविश्वसनीय परिघटना है लेकिन भारत में हर 50 किलोमीटर की दूरी पर कोई न कोई बाबा आश्रम बनाए हुए है और भक्त चमत्कार की उम्मीद में उसकी चरण धूलि लेने के लिए जान की बाजी लगा रहे हैं। जो बाबा आश्रम बना कर नहीं बैठा है वह इंटरनेट की दुनिया में है। वह सोशल मीडिया पर भक्तों को चमत्कारिक सुझाव दे रहे है।

40 साल बाद 'पलटा' गया एक महत्वपूर्ण फैसला

संजय सक्सेना

जब हुकूमत बदलती है तो संवैधानिक संस्थाओं का कामकाज का तरीका और नजरिया भी बदल जाता है। याद कीजिए मोदी सरकार के आने से पूर्व तक कैसे अयोध्या में रामलला के जन्म स्थान, वाराणसी के ज्ञानवापी मंदिर-मस्जिद और मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद को लटकाया जाता रहा था। कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने पर खूब-खराबे की बात कही जाती थी। एक बार में तीन तलाक को शरिया की आड़ में सही ठहरा के लाखों मुस्लिम महिलाओं को एक झटके में घर से बेखर कर दिया जाता था और सरकारें तुष्टिकरण की सियासत और मुस्लिम वोट बैंक के चक्कर में उफ तक नहीं करती थीं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शरिया की चादर ओढ़कर सरकार पर दबाव बनाने का काम करता था। हलाला के नाम पर महिलाओं का शारीरिक शोषण और मानसिक शोषण को एक परम्परा बना दिया गया था। मुस्लिम महिलाओं को पारिवारिक सम्पति में उनके हुकूक से महरूम रखा जाता था। बहु विवाह महिलाओं के लिये एक अभिशाप बन हुआ है। धर्म की आड़ में वक्फ बोर्ड जैसी संस्थाएं किसी की भी जमीन मकान पर अपना मालिकाना हक जता देते थे। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने जब एक तलाकशुदा बुजुर्ग मुस्लिम महिला शाहबानो को उसके शौहर से चंद रुपये का मुआवजा देने का आदेश सुनाया तो राजीव गांधी सरकार ने इस फैसले को पलटने में देरी नहीं लगाई थी।

खैर, चालीस साल बाद अब एक बार फिर उसी सुप्रीम कोर्ट ने इतिहास को दोहराते हुए एक अहम फैसले में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारे भत्ता लेने के हक की बात कही है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने ये फैसला सुनाया है। दोनों जजों ने फैसला तो अलग-अलग सुनाया, लेकिन दोनों की राय एक ही थी। दोनों ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला भी गुजारा भत्ता पाने के लिए पति के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 125 के तहत केस कर सकती हैं।सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला ठीक वैसा ही है, जैसा कि 23 अप्रैल 1985 में शाहबानो मामले में दिया गया था।

दरअसल, 1985 में इंदौर की एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो ने गुजारा भत्ता हासिल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनके पति मोहम्मद अहमद खान को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया।कट्टरपंथी मुस्लिमों ने इस फैसले को शरिया में दखलंदाजी करार देते हुए विरोध शुरू कर दिया। उस समय की मौजूदा राजीव गांधी सरकार जो मुस्लिम वोटों की बड़ी दावेदार थी, उसे जब लगा कि उसका मुस्लिम वोट बैंक इस फैसले से खिसक सकता है तो तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी कट्टरपंथियों के विरोध के आगे झुक गये और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निष्प्रभावी बनाने के लिए मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) कानून, 1986 लाकर मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कोर्ट के फैसले को पलट दिया।

राजीव गांधी सरकार द्वारा लाए गए मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) कानून, 1986 की संवैधानिक वैधता को 2001 में डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई थी। डेनियल लतीफी वकील थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में शाहबानो का प्रतिनिधित्व किया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 1986 के कानून की व्याख्या इस तरह से की जिससे की अधिनियम में लागू की गई रोक एक तरह से अप्रभावी हो गई। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि महिलाओं के अधिकार इद्दत की अवधि के आगे भी रहते हैं। कोर्ट के इस फैसले ने सुनिश्चित किया कि मुस्लिम महिलाओं को गरिमा के साथ अपना जीवन जीने के लिए उचित मदद मिले।

राजीव गांधी सरकार ने भले ही शाहबानों केस में मुआवजे के सुप्रीम कोर्ट के आदेश वाले फैसले को कानून बनाकर पलट दिया था,लेकिन मुस्लिम महिलाओं के हक की लड़ाई कभी थमी नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने 2009 में जोर देकर कहा था कि धर्म का पालन करने के अधिकार में दूसरों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का अधिकार शामिल नहीं है। यह बात खास कर लैंगिक समानता के परिप्रेक्ष्य में कही गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इस बात की पुष्टि की गई थी कि पर्सनल ला संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप होने चाहिए। इसी प्रकार 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने शमीम बानो नाम असरफ खान मामले में कहा था कि मुस्लिम महिला तलाक के बाद भी अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है और मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष इसके लिए आवेदन कर सकती है। फैसले में इस बात पर जोर दिया गया था कि मुस्लिम पति की जिम्मेदारी हैं कि वह तलाकशुदा पत्नी के भविष्य के लिए गुजारा भत्ता सहित उचित व्यवस्था करें और यह बात इद्दत की अवधि से आगे के लिए भी लागू होती है। इस कड़ी में 2017 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले को भी नहीं भुलाया जा सकता है।जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को असंवैधानिक और अवैध करार दे दिया था। कोर्ट ने कहा कि तीन तलाक मुस्लिम महिलाओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

कुल मिलाकर 10 जुलाई 2024 को सुप्रीम कोर्ट का अपने अहम फैसले में मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने का आदेश व्यापक प्रभाव वाला है। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी पति से भरण-पोषण यानी गुजारा भत्ता पाने की हकदार हों इसमें कोई बुराई भी नहीं हैं। ऐसे फैसलों पर धर्म के नाम पर कतई विवाद नहीं होना चाहिए।लम्बे समय से तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं हक से महरूम थीं।संभवता अब उन्हें न्याय मिल पाये। क्योंकि इस फैसले के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी सरकार की ओर से उठाए गए एक गलत कदम का प्रतिकार करने के साथ ही मुस्लिम महिलाओं को न्याय देने का काम किया है। एक तरह से इस निर्णय के जरिये सुप्रीम कोर्ट ने यह साबित कर दिया है कि 1985 उसकी पूर्ववर्ती बेंच के द्वारा शाहबानो मामले में दिया गया फैसला सर्वथा उचित एवं संविधान सम्मत था भले ही राजीव गांधी सरकार ने उसे पलट दिया था। 1986 में कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के दबाव में आकर उनके मन मुताबिक और शरिया के अनुकूल मुस्लिम महिला अधिनियम बनाया था। इस अधिनियम का एकमात्र उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का हनन करना था।

चालीस सालों में हालात काफी बदल चुके हैं। तब कांग्रेस पावरफुल हुआ करती थी उसकी जगह बीजेपी ने ले ली है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम किसी पंथनिरपेक्ष कानून पर हावी नहीं होगा और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं गुजारा भत्ता के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल यही आकर नहीं रुका, इसके आगे भी कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग समुदाय की महिलाओं को भिन्न-भिन्न कानूनों से संचालित नहीं किया जा सकता, बल्कि इस फैसले के साथ कोर्ट ने समान नागरिक संहिता की आवश्यकता भी जताई है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट यह भी संदेश दिया है कि देश के लोग संविधान से चलेंगे, न कि अपने पर्सनल कानूनों से, वे चाहे जिस पंथ-मजहब के हों। इसका कोई औचित्य नहीं कि देश में अलग-अलग समुदायों के लिए तलाक, गुजारा भत्ता, उत्तराधिकार, गोद लेने आदि के नियम-कानून इस आधार पर हों कि उनका उनका पंथ-मजहब क्या है?

सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है, इस फैसले को राजनीतिक दल किस तरह से लेते हैं,यह देखने वाली बात होगी। हां इतना तय है कि बीजेपी इसके पक्ष में खड़ी नजर आयेगी। वहीं विपक्ष से यह अपेक्षा अनुचित नहीं कि उनके नेता सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की प्रशंसा करने के लिए आगे आयेगें, जो पिछले कुछ समय से संसद के भीतर-बाहर संविधान की प्रतियां लहराकर यह दावा करने में लगे हुए थे कि उन्होंने संविधान की रक्षा की है और वे उसे बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि संविधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सच्ची है तो उन्हें इस फैसले का स्वागत करना ही होगा। वर्ना संविधान बचाने का उसका दावा सियासी ही समझा जायेगा। उधर, इसकी भी पूरी आशंका है कि इस फैसले से कुछ मुस्लिम संगठन असहमति जताने के साथ उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दें।दो सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ और बड़ी बैंच बनाये जाने की भी मांग उठ सकती है, लेकिन इस मुद्दे पर कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों को मोदी सरकार से कोई अपेक्षा नहीं होगी। हो सकता है कि जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने समान नागरिक संहिता की भी बात कही है उसी को आधार बना कर मोदी सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के अपने वादे को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ जाये। ऐसा इसलिये भी हो सकता है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भी इस समय मोदी सरकार पर समान नागरिक संहिता,जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिये दबाव बना रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चार दशक के बाद जिस तरह से अपने 1985 के आदेश को जीवंत किया है, उसका नुकसान कांग्रेस को भी उठाना पड़ सकता है। क्योंकि जब शाहबानों को गुजारा भत्ता नहीं दिये जाने की बात चलेगी तो राजीव गांधी सरकार का भी नाम आयेगा,जिन्होंने मुस्लिम महिलाओं को लम्बे समय तक गुजारा भत्ता देने से महरूम रखा था।

खाना पकाने के लिए जैतून का तेल कितना स्वस्थ है?

यदि आप अपने दिल की फिक्र रहती है, तो अपना खाना पकाने के तेल चुनते समय भी तेल की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

हेल्दी और अनहेल्दी फैट क्या है

भोजन में चार प्रमुख आहार वसा होते हैं। खराब वसा, जिसमें संतृप्त और ट्रांस वसा होते हैं, कमरे के तापमान (जैसे मक्खन) पर अधिक ठोस होते हैं, जबकि मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड वसा अधिक तरल होते हैं (जैसे कैनोला तेल)। अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट के विपरीत, अच्छे वसा शरीर में रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, इसलिए, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करते हैं। यह हृदय रोग से जुड़े ट्राइग्लिसराइड्स को भी कम करता है और सूजन से लड़ता है। अच्छे मोनोअनसैचुरेटेड वसा के कुछ अच्छे स्रोत हैं- जैतून, कैनोला, मूंगफली और तिल का तेल।

जैतून का तेल कितना स्वस्थ है?

जैतून का तेल हेल्दी खाना पकाने का तेल है। जैतून से संतृप्त वसा पर बहुत कम है और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से युक्त होते हुए अच्छे वसा (मोनोअनसैचुरेटेड वसा) में ज्यादा समृद्ध है। कहा जाता है कि स्वस्थ खाना पकाने के तेल में 14% संतृप्त तेल, 11% पॉलीअनसेचुरेटेड, जैसे ओमेगा -6 और ओमेगा -3 फैटी एसिड और 73% मोनोअनसैचुरेटेड वसा होता है। जैतून के तेल में प्रमुख फैटी एसिड को ओलिक एसिड कहा जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, जैतून के तेल में बड़ी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, जो आपके पुराने रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

किसमें है ज्यादा फैट

जैतून से जैतून का तेल निकाला जाता है, वैसे ही नारियल से नारियल का तेल निकाला जाता है। दोनों फायदों से भरपूर है। एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर वेट लॉस फ्रेंडली तेल भी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नारियल तेल में इसमें 80 से 90 प्रतिशत संतृप्त वसा (अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) होता है, जिसका अर्थ है कि नारियल के तेल के एक चम्मच में जैतून के तेल की तुलना में लगभग छह गुना अधिक संतृप्त वसा होती है।

कौन-सा तेल है बेहतर

जब हार्ट-स्वस्थ खाना पकाने के तेल की बात आती है, तो जैतून का तेल नारियल के तेल और खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले कई अन्य तेलों की तुलना में काफी बेहतर होता है। जैतून का तेल एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग के जोखिम को कम करता है, नारियल के तेल के विपरीत, जिसमें उच्च संतृप्त वसा होता है, जिसे हृदय रोग के जोखिम को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। जैतून का तेल टाइप 2 डायबिटीज और कुछ कैंसर के खतरे को कम करता है।

घरेलू उपचारों के जरिए बाहर निकाली जा सकती है किडनी की पथरी

गलत खान-पान और पानी की कमी से किडनी में पथरी बन सकती है। यह गंभीर समस्या है जिसका तुरंत इलाज किया जाना चाहिए। इसमें मरीज को गंभीर दर्द होता है। मेडिकल में इसके कई इलाज हैं लेकिन कुछ घरेलू उपचारों के जरिए किडनी की बाहर निकाला जा सकता है।

किडनी मानव शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। किडनी का मुख्य काम शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना और पानी, अन्य तरल पदार्थ, रासायनिक और खनिज के स्तर को बनाए रखना है। यह शरीर में खून को भी फिल्टर करती है। स्वस्थ जीवन के लिए व्यक्ति के पास ठीक से काम करने वाली किडनी होनी चाहिए। मनुष्य रोजाना विभिन्न खाद्य पदार्थों का सेवन करता है, जो बाद में ऊर्जा में बाल जाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान कई तरह के विषाक्त पदार्थ शरीर में जमा होते रहते हैं। ऐसे जहरीले पदार्थों का जमा होना मानव शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है। शरीर में पानी की कमी से गुर्दे की पथरी यानी किडनी स्टोन बन सकती हैं। ये पत्थर या तो मटर के आकार के हो सकते हैं या गोल्फ की गेंद जितने बड़े हो सकते हैं। पथरी आमतौर पर कैल्शियम ऑक्सालेट और कुछ अन्य यौगिकों से बने होते हैं और इनकी बनावट क्रिस्टल होती है।
गुर्दे की पथरी बनने से वजन कम होने, बुखार, मतली, रक्तमेह और पेट के निचले हिस्से में गंभीर दर्द के साथ पेशाब करने में परेशानी हो सकती है। गुर्दे की पथरी ज्यादातर सर्जरी द्वारा हटा दी जाती है। लेकिन कुछ प्रभावी और प्राकृतिक तरीके हैं जिनके जरिए किडनी की पथरी को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है।

खूब पानी पिएं

जल को जीवन का अमृत माना गया है। यह हाइड्रेशन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। पानी गुर्दे को खनिजों और पोषक तत्वों को भंग करने में मदद करता है, और पाचन और अवशोषण की प्रक्रिया को तेज करता है। पानी शरीर से अनावश्यक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है जिससे किडनी को और नुकसान हो सकता है। जिन लोगों को गुर्दे की पथरी है उन्हें इन पत्थरों को पेशाब के माध्यम से बाहर निकालने के लिए दिन में 7-8 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है।

नींबू का रस और जैतून का तेल

नींबू के रस और जैतून के तेल का मिश्रण सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन यह किडनी की पथरी को शरीर से बाहर निकालने का एक बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय साबित हो सकता है। जो लोग अपनी किडनी से पथरी को प्राकृतिक रूप से हटाना चाहते हैं उन्हें इस तरल को रोजाना तब तक पीना चाहिए जब तक कि पथरी निकल न जाए। जबकि नींबू का रस गुर्दे की पथरी को तोड़ने में मदद करता है, जैतून का तेल बिना किसी समस्या या जलन के सिस्टम से गुजरने के लिए लुब्रिकेंट के रूप में कार्य करता है।

सेब का सिरका

सेब के सिरके में साइट्रिक एसिड होता है जो किडनी स्टोन को छोटे-छोटे कणों में तोड़ने और घुलने की प्रक्रिया में मदद करता है। यह मूत्रमार्ग के माध्यम से गुर्दे की पथरी को हटाने में मदद करता है। सेब के सिरके का सेवन विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और किडनी को भी साफ करने में मदद करता है। दो बड़े चम्मच सेब का सिरका रोजाना गर्म पानी के साथ तब तक लिया जा सकता है जब तक कि किडनी से पथरी पूरी तरह से निकल न जाए।

कॉर्न हेयर या कॉर्न सिल्क

मक्के के बाल या मक्के का रेशम मक्के की भूसी में पाया जाता है और आमतौर पर इसे फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किडनी स्टोन को सिस्टम से बाहर निकालने के मामले में यह बेहद कारगर है। मक्के के बालों को पानी में उबालकर बाद में छानकर सेवन किया जा सकता है। यह नए पत्थरों के निर्माण को भी रोकता है और एक मूत्रवर्धक है जो मूत्र के प्रवाह को बढ़ाता है। मकई के बाल गुर्दे की पथरी के साथ होने वाले दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं।

अनार का रस

नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, अनार कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अनार का रस सबसे अच्छे प्राकृतिक पेय में से एक है जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। यह गुर्दे की पथरी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में मदद करता है। इसमें अच्छे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करते हैं।

सुबह की शुरुआत करने के लिए बेस्ट ड्रिंक है शहद-पानी

सुबह की शुरुआत अक्सर लोग चाय-कॉफी से करते हैं। हालांकि कुछ लोग वजन घटाने के लिए शहद का पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पानी कई तरह से आपकी हेल्थ के लिए फायदेमंद है। शहद में एंटी इंफ्लामेटरी, औषधीय और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो अलग बीमारियों को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा भी ये काफी तरह से फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी के लिए बेहतरीन

शहद में फाइबर होता है ऐसे में ये पाचन के लिए अच्छा साबिक होता है। शहद का पानी सूजन को कम करता है और आपके पाचन में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक केमिकल की मात्रा को कम करता है जो ब्लोटिंग और गैस के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा शहद एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद कर सकता है।

सामान्य सर्दी जुकाम छू मंतर

अध्ययनों से पता चला है कि एक गिलास गर्म शहद का पानी पीने से सामान्य सर्दी, बुखार और खांसी से बचा जा सकता है। ऐसे में आप हर सुबह इस जादुई मिश्रण को पी सकते हैं। तेजी से वजन घटाने के लिए बेस्ट है लौकी का पानी, यहां सीखें बनाने का तरीका

वजन घटाने में मददगार

ज्यादातर मामलों में, वजन बढ़ने से खराब पाचन, कब्ज, स्लो मेटाबॉलिज्म और पाचन संबंधी दूसरी समस्याएं होती हैं। शहद का पानी इन सभी समस्याओं से लड़ता है और आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जो आपको वजन कम करने में मदद करता है। इसी के साथ खाली पेट एक गिलास गर्म शहद का पानी पीना से आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

दिल की बीमारी में फायदेमंद

शहद का पानी पीने से शरीर में ब्लड के थक्कों को बनने से रोका जा सकता है। अगर आप अपने ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत इस जादुई ड्रिंक से करें।

डल और ड्राई स्किन होगी दूर

डिहाईड्रेशन आपकी स्किन को डल और ड्राई बना सकता है। इसलिए, सुबह सही मात्रा में पानी पीने से आपकी त्वचा दिन भर फ्रेश और सॉफ्ट दिखेगी।

कैसे बनाएं शहद का पानी

इसे बनाने के लिए एक पैन में एक गिलास पानी गर्म करें। फिर इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें। अच्छे रिजल्ट के लिए आप इसमें 1 चम्मच नींबू का रस भी मिला सकते हैं। इस ड्रिंक को रोज सुबह खाली पेट पिएं।

इन घरेलू तरीकों से ठीक करें सिरदर्द, नींद भी आएगी अच्छी

सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं।

सिरदर्द सबसे आम परेशानी। शायद ही दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होता जिसे कभी सिरदर्द नहीं हुआ होगा। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं, जिनकी सुबह की शुरुआत ही सिरदर्द से होती है। सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। ऐसे में कई लोग तो सिरदर्द होने पर हमेशा पेनकिलर का सहारा लेते हैं। उन्हें पेनकिलर्स खाने की इतनी आदत पड़ जाती है कि माइल्ड पेन होने पर भी वे बार-बार पेनकिलर्स लेने लगते हैं जबकि हमेशा पेनकिलर खाना सेहत पर भारी पड़ सकता है। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं सिरदर्द होने पर आप क्या उपाय कर सकते हैं

हेड मसाज

सिर की मालिश को कभी भी लाइट न लें, खासकर अगर आपके सिर में दर्द हो रहा है, तो आपको किसी भी ऑयल से हेड मसाज जरूर करानी चाहिए। इससे आपकी नसों को काफी आराम मिलता है और सिरदर्द से भी राहत मिलती है।

आइस पैक

बर्फ के टुकड़ों को किसी कपड़े में लपेटकर माथे पर हल्के हाथों से दबाएं। इससे आपको दर्द से आराम मिलेगा। आप थोड़ी-थोड़ी देर में भी आइस पैक को माथे पर लगा सकते हैं। सिरदर्द को ठीक करने में यह सबसे कारगर उपाय है।

हॉट राइस बैक

इसके लिए आपको कच्चे चावल को तवे पर गर्म करना है। इसके बाद इन चावलों को किसी पॉलीबैग में भर लें। इससे आप माथे पर सेंक लगा सकते हैं। इससे भी आपका सिरदर्द काफी हद तक ठीक हो जाता है।

पानी

कभी-कभी पानी की कमी से भी शरीर खासकर सिर में दर्द होता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखें और तेजी से कम से कम दो गिलास ठंडा पानी पिएं। इससे भी सिरदर्द में काफी आराम मिलता है।

लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल अरोमा थेरेपी में किया जाता है। इससे आपको शांति और सुकून मिलता है। इसके लिए सबसे पहले लैवेंडर ऑयल को गर्म कर लें और इसे किसी ऐसी जगह पर रख दें, जिससे इसकी महक अच्छी तरह आए।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कम से कम 10 मिनट तक करें। इस एक्सरसाइज को करने से आपको काफी आराम मिलता है। ब्रीदिंग एक्सरसाइज से नसें काफी रिलेक्स हो जाती हैं।

आयुर्वेदिक चाय

आयुर्वेदिक चाय भी सिरदर्द को ठीक करने में कारगर मानी जाती हैं। आप मसाला चाय भी पी सकते हैं। कोशिश करें कि चाय को गर्म सिप-सिप करके पिएं। ठंडी चाय आपका सिरदर्द बढ़ा सकती है।

उपराष्ट्रपति हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप

कहा- वह लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार ट्रंप अमेरिकी लोकतंत्र को तानाशाही में बदल देंगे।

एएएनएसपीआई किया लॉन्च

हैरिस ने लास वेगास में बाइडन-हैरिस के लिए एक एएएनएसपीआई लॉन्च किया है। यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो देश भर में एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीप समूह (एएनएसपीआई) मतदाताओं, समुदायों और नेताओं को एक साथ एक मंच पर लाएगा।

इस दौरान उन्होंने कहा, डोनाल्ड ट्रंप हमारे लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मूल रूप से घोषणा की है कि वह इससे बच सकते हैं।

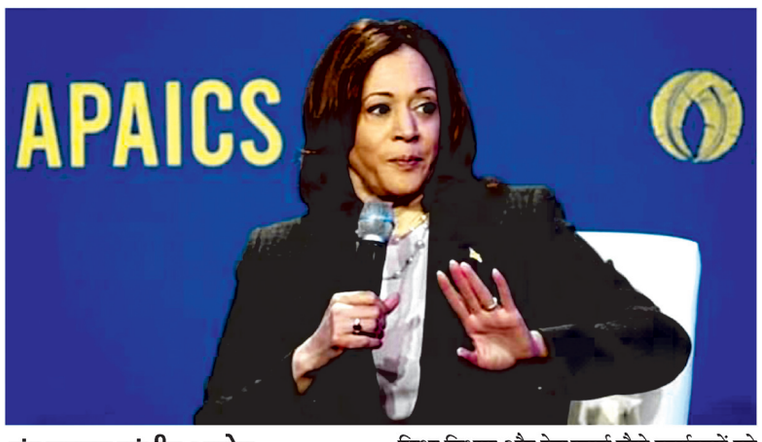

ट्रंप लगाए गंभीर आरोप

हैरिस ने आरोप लगाया कि ट्रंप के सलाहकारों ने 900 पन्नों का एक खाका तैयार किया है। इसे प्रोजेक्ट 2025 बताया जा रहा है। इसमें दूसरे कार्यकाल में उनके द्वारा की जाने वाली अन्य सभी योजनाओं का ब्योरा है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा में कटौती, इंसुलिन पर 35 अमेरिकी डॉलर की सीमा को हटाना, शिक्षा विभाग और हेड स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों को समाप्त करना शामिल है।

उन्होंने आगे कहा, प्रोजेक्ट 2025 में गर्भनिरोधक तक पहुंच को सीमित करने और संसद के एक अधिनियम के साथ या उसके बिना देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने की योजना की रूपरेखा तैयार की गई है। यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह योजना डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रजनन स्वतंत्रता पर नया हमला होगा।

महिलाओं को पता है उनका हित

उपराष्ट्रपति ने लोगों की तालियों की गूंज के बीच कहा, कोई गलती न करें, अगर ट्रंप को मौका मिलता है तो वह हर एक राज्य में गर्भपात को गैरकानूनी घोषित करने के लिए राष्ट्रीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे क्योंकि हम महिलाओं पर भरोसा करते हैं। हम जानते हैं कि महिलाएं जानती हैं कि उनके अपने हित में क्या है और उन्हें सरकार द्वारा यह बताए जाने की जरूरत नहीं है कि उन्हें अपने शरीर के साथ क्या करना है।

अपनी मां से जुड़ा किस्सा बताया

उन्होंने कहा, मेरी मां उस समय भारत से अमेरिका आई थीं, जब मैं महज 19 साल की थीं। वह और मेरे पिता नागरिक अधिकार आंदोलन में सक्रिय होने के दौरान मिले थे। वास्तव में, जब मैं छोटी थी तो मेरे माता-पिता मुझे स्ट्रोलर में मार्च में ले जाते थे। मेरी मां के जीवन में दो लक्ष्य थे। एक अपनी दो बेटियों मैं और मेरी बहन माया को बड़ा करना और दूसरा स्तन कैंसर को समाप्त करना। वह एक स्तन कैंसर शोधकर्ता थीं। अगर मैं सच कहूं तो मेरी मां ने अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी किसी की अनुमति नहीं मांगी।

हैरिस ने बताया कि उनकी मां की लंबाई पांच फीट थीं। हालांकि, अगर आप उनसे मिलते तो आपको लगता कि वह 10 फीट लंबी हैं। यह उनके चरित्र, ताकत और दृढ़ संकल्प के कारण ही मैं आज संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति के रूप में आपके सामने खड़ी हूं।

चुनाव में 118 दिन बाकी

उन्होंने कहा कि यह हमारी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। उन्होंने कहा, आज चुनाव में 118 दिन रह गए हैं। हममें से कई हर चार साल में इन चुनावों में शामिल होते हैं और लगभग हर बार हम कहते हैं, यही वह चुनाव है। खैर, यह हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। अब, हम हमेशा जानते थे कि यह चुनाव कठिन होगा। पिछले कुछ दिन याद दिलाते रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए दौड़ना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन एक बात जो हम अपने राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जानते हैं, वह यह है कि वह एक योद्धा हैं।

संक्षिप्त समाचार

निक्की हेली के समर्थक रिपब्लिकन प्रतिनिधि अब ट्रंप का देंगे साथ, मजबूत होगा पूर्व राष्ट्रपति का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने मंगलवार को कई दर्जन प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) की सूची जारी की है। भारतीय-अमेरिकी नेता ने इनका समर्थन इस साल की शुरुआत में पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनावों के दौरान संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के लिए जुटाया था।

जुलाई में होगा रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन

हेली का यह कदम विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में जुलाई में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) से पहले आया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा।

रिपब्लिकन नेता ने कहा, नामांकन सम्मेलन रिपब्लिकन एकता का समय है। जो बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए सक्षम नहीं हैं। वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेंगे। अगर उनकी जगह कमला हैरिस आती हैं तो अमेरिका के लिए यह एक आपदा होगी।

उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे राष्ट्रपति की आवश्यकता है जो हमारे दुश्मनों को जवाबदेह ठहराए, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करे, हमारे कर्ज में कटौती करे और हमारी अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाए। मैं अपने प्रतिनिधियों को अगले सप्ताह मिल्वौकी में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करती हूं।

निक्की हेली ने 97 डेलीगेट का समर्थन हासिल किया था, जबकि बाइडन को 2,265 डेलीगेट मिले थे। राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 1,215 प्रतिनिधियों के समर्थन की जरूरत है। उन्होंने मार्च में अपना प्रचार अभियान स्थगित कर दिया था।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत और दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर हेली आरएनसी में शामिल नहीं हो रही हैं। उनके प्रवक्ता चेनी डेंटन का कहना है कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है। वह इस फैसले के साथ ठीक है। ट्रंप उस सम्मेलन के हकदार हैं जो वह चाहते हैं। हेली ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ट्रंप के लिए मतदान करेंगी और उन्हें शुभकामनाएं देती हैं।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। मंगलवार को इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं मंगलवार को भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया।

जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। सोमवार को यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया। तूफान के बाद क्षतिग्रस्त विद्युत ग्रिडों के कारण मंगलवार को टेक्सास में लगभग 2.2 मिलियन घरों में बिजली नहीं थी। वहीं लुइसियाना में भी 14,000 घरों में बिजली नहीं थी। निवासियों के लिए वातानुकूलित आश्रय स्थल स्थापित किए गए, हालांकि कर्मचारी सेवाएं दुरुस्त करने में लगे रहे। 2.3 मिलियन की आबादी वाला विशाल शहर ह्यूस्टन, तूफानी हवाओं और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हो चुका है।

ब्राजील के साओ पाउलो में दर्दनाक सड़क हादसा, दो बसों की आपसी टक्कर में 5 लोगों की मौत

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के शहर साओ पाउलो में सोमवार को दो बसों के बीच आपस में टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी। साओ पाउलोः ब्राजील के शहर साओ पाउलो में सोमवार को दो बसों के बीच आपस में टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी।

यह दुर्घटना ब्राज़ील के सबसे बड़े शहर साओ पाउलो से 206 किमी दूर इपेउना नगर पालिका में राजमार्ग 191 पर हुई। इनमें से एक बस मरीजों को क्लिनिकल अध्ययन के लिए एक चिकित्सा केंद्र ले जा रही थी जबकि दूसरा वाहन खाली था।

नामुमकिन को मुमकिन करने में जुटा नासा बना डाली एलियंस देखने वाली दूरबीन

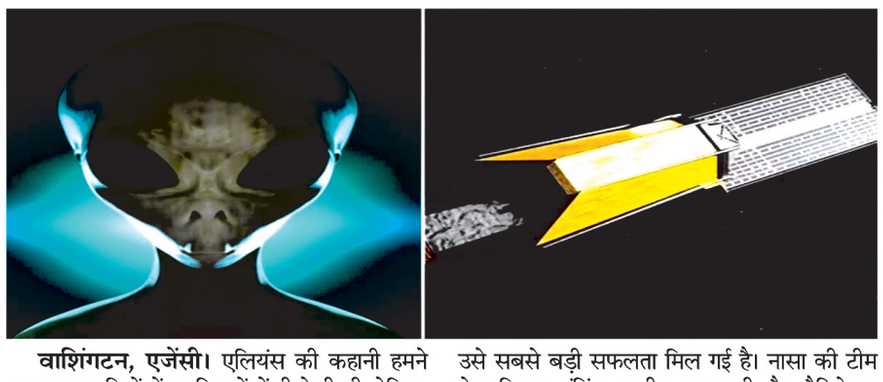

वाशिंगटन, एजेंसी। एलियंस की कहानी हमने अक्सर कहानियों में या फिल्मों में ही देखी थी लेकिन, विज्ञान के आगे कुछ भी नामुमकिन नहीं! वो दिन दूर नहीं जब एलियंस हमारे लिए कौतूहल नहीं सामान्य बात हो जाएगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चमत्कार कर दिया है। उसने ऐसी दूरबीन की खोज कर ली है जो एलियंस का पता लगा सकती है। इस मशीन को एलियन हंटिंग दूरबीन कहा जा रहा है। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि वे इस टेलीस्कोप की मदद से 2050 तक ऐसे ग्रह की खोज पूरा करेंगे जहां लोग रहते हों, यानी एलियंस का वास हो।

नासा के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड में ऐसे ग्रहों की खोज तेज कर दी है, जहां एलियंस का वास है। इसके लिए उसे सबसे बड़ी सफलता मिल गई है। नासा की टीम ने एलियन हंटिंग दूरबीन बना ली है। हैबिटेबल वर्ल्ड्स ऑब्ज़र्वेटरी ने 2040 के आसपास इस दूरबीन के प्रक्षेपण की योजना तैयार की है। इसका लक्ष्य ब्रह्मांड में हमारे सौरमंडल से बाहर ऐसे ग्रह की खोज करना होगा, जहां लोग रहते हों। नासा के अधिकारियों का कहना है कि इतने बड़े ब्रह्मांड में हम अकेले नहीं हैं, जो रहते हैं। कई ग्रह ऐसे भी हो सकते हैं, जहां लोगों की आबादी हो। हमारे लिए कौतूहल यह है कि वे हम इंसानों से कितना विकसित हैं? वे शरीर की बनावट, बोलचाल और विज्ञान समेत कई चीजों में हमसे कितना अलग हैं?

इस मेगा प्रोजेक्ट पर काम कर रहे वैज्ञानिकों ने सूर्य जैसे तारों के निकट स्थित पृथ्वी जैसे लगभग 25 ग्रहों की पहचान की है। नासा के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. जेसी क्रिस्टियनसेन का कहना है कि एचडब्ल्यूओ को सूर्य जैसे किसी तारे के जीवन योग्य क्षेत्र में स्थित किसी ग्रह के वायुमंडल में जीवन के संकेत मिल जाएंगे। एचडब्ल्यूओ की इस दूरबीन को सुपर हबल दूरबीन कहा जा रहा है, जो अन्य तारों की परिक्रमा कर रहे पृथ्वी के आकार जैसे ग्रहों की खोज करेगा।

जल्द ही एलियन सिग्नल दिखाई देंगे

न्यू साइंटिस्ट से बात करते हुए क्रिस्टियनसेन ने कहा, मेरा मानना ??है कि हम जल्द ही दुनिया के सामने ऐसी चीज का पता लगाने वाले हैं, जो अभी तक सिर्फ कल्पना ही है। हालांकि हम यह जानते हैं कि हम इस अंतरिक्ष में अकेले नहीं है। हमारे सूर्य जैसे कई तारे मौजूद हैं, जिनके आसपास पृथ्वी जैसे ग्रह मौजूद हैं, जहां जीवन है। जल्द ही सुपर हबल की मदद से हम ऐसे ग्रह की खोज कर लेंगे। नासा के इस प्रोजेक्ट टीम में खगोलविद, भौतिक विज्ञानी, इंजीनियर और वैज्ञानिक शामिल हैं। इस कार्य के लिए पिछले जनवरी में न्यू ऑरलियन्स में इनकी एक बैठक भी हुई थी। क्रिस्टियनसेन ने आगे कहा कि अगर हमारी योजना सफल रही तो 2040 में इसके लॉन्च होने के तुरंत बाद ही अन्य ग्रहों पर जीवन का प्रमाण देने लगेगा।

नाटो करेगा यूक्रेन की मदद, सैनिकों को ट्रेनिंग देने के लिए जर्मनी में सेटअप करेगा नया कमांड

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में आयोजित उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन में यूक्रेन को मजबूती देने पर बात हुई। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि नाटो यूक्रेन की राजधानी कीव में एक वरिष्ठ प्रतिनिधि नियुक्त करेगा और यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देने के लिए जर्मनी में एक नई सैन्य कमान की भी घोषणा करेगा।

वाशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन रक्षा उद्योग फोरम में बोलते हुए, सुलिवन ने कहा कि ट्रान्साटलांटिक गठबंधन अपने इंडो-पैसिफिक साझेदारों- ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड और दक्षिण कोरिया के साथ इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ चार नई संयुक्त परियोजनाएं शुरू करेगा।

सुलिवन ने कहा कि चल रहे शिखर सम्मेलन के दौरान, नाटो जर्मनी में एक नई सैन्य कमान की घोषणा करेगा जो यूक्रेनी सैनिकों के लिए ट्रेनिंग, फोर्स डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू करेगा। यह कमान जर्मन शहर विस्बाडेन में स्थापित की जाएगी। उन्होंने आगे ये भी कहा, हम जल्द यह भी बताएंगे कि यूक्रेनी वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और एफ-16 के प्रावधान के माध्यम से यूक्रेन की वायु शक्ति का निर्माण करने की योजना कैसे बनेगी।नाटो शिखर सम्मेलन में अमेरिकी अधिकारी ने यूक्रेन को अगले साल कम से कम 40 बिलियन यूरो की सुरक्षा सहायता प्रदान करने की बात भी बोली।

अमेरिकी अधिकारी ने रूस पर निशाना साधते हुए कहा, रूस चीन उत्तर कोरिया की मदद से महत्वपूर्ण रक्षा विस्तार करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आगे कहा,नाटो कर सकता है, नाटो करेगा और नाटो रूस की तरह हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को परेशान किए बिना इस चुनौती का सामना करने के लिए आगे बढ़ रहा है। हम अपने रक्षा औद्योगिक आधारों में मजबूत निवेश कर रहे हैं।

खान यूनिस में स्कूल पर इजरायली हमले में 25 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। दरअसल स्कूल के कैंपस में टेंट लगाकर कुछ लोग रह रहे थे जब इजरायल ने हमला किया। सुरक्षा सूत्रों ने मंगलवार को सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने मिसाइल से अल-अवदा स्कूल के गेट को निशाना बनाया। खान यूनिस के पूर्व में अबासन अल-कबीरा शहर में सैकड़ों विस्थापित लोग रह रहे हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि फिलिस्तीनी कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर साझा किए गए वीडियो में दर्जनों शव खून से लथपथ जमीन पर पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। सूत्रों ने सिन्हुआ को बताया कि क्षेत्र में विस्थापित लोगों की अधिक भीड़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इस घटना के बारे में इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यह हमला पिछले चार दिनों में गाजा में शेल्टर के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे स्कूल भवन पर किया गया चौथा इजरायली हमला है।

एमजीएम हेल्थकेयर ने वाइज़ैग (विशाखापत्तनम) में उच्च स्तर का उपचार उपलब्ध कराने के लिए सेवनहिल्स अस्पताल का अधिग्रहण करके अपना विस्तार किया

रायपुर : एमजीएम हेल्थकेयर, चेन्नई में स्थित एक प्रसिद्ध मल्टी-स्पेशलिटी क्वाटर्नेरी-केयर हेल्थकेयर ग्रुप, ने सेवनहिल्स हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड की कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया में शामिल होकर सेवनहिल्स हॉस्पिटल, विशाखापत्तनम के अधिग्रहण से अपने सेवा क्षेत्र में अधिक विस्तार करने की घोषणा की है। इस अधिग्रहण के साथ ही, एमजीएम (स्वरू) हेल्थकेयर ग्रुप ने पहले अस्पताल के खुलने के बाद 5 वर्षों के छोटे समय में 1000 से अधिक बेड्स को लेकर महत्वपूर्ण योजना पूरी की है। एमजीएम (स्वरू) हेल्थकेयर के निदेशक डॉ. प्रशांत राजगोपालन ने अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए कहा है, कि एमजीएम (स्वरू) हेल्थकेयर द्वारा सेवनहिल्स अस्पताल का योजनाबद्ध अधिग्रहण चेन्नई के बाहर हमारा पहला प्रयास है। यह देश भर के लोगों को गुणवत्तापूर्ण, किफ़ायती और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का विस्तार करने के हमारे लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हमने विशाखापत्तनम में लंबे समय से कार्यरत एक प्रतिष्ठित संगठन सेवनहिल्स के साथ साझेदारी की है, ताकि हम वाइज़ैग (विशाखापत्तनम) के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों तेलंगाना, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के रोगियों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकें। यह अधिग्रहण एमजीएम (स्वरू) हेल्थकेयर की विचारशील भौगोलिक विस्तार रणनीति के अनुरूप है। मेहनत के साथ, हम अपनी ताकत का उपयोग रोगियों को बेहतरीन चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए करेंगे। विशाखापत्तनम के सबसे पुराने मल्टी-स्पेशलिटी अस्पतालों में से एक, सेवनहिल्स की स्थापना 1988 में हुई थी और यह उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करने के लिए 35 वर्षों से जाना जाता है। यह तृतीयक देखभाल सुविधा एनएबीएच और एनएबीएल दोनों से मान्यता प्राप्त है और प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक रोगियों की देखभाल करता है। वित्त वर्ष 24 में अस्पताल ने 100 करोड़ से अधिक आय प्राप्त की है। 11-मंज़िला यह सुविधा जिसमें 2,00,000 वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्रफल है, जो शहर के मध्य में वाल्टेयर मेन रोड पर रॉकडेल लेआउट में एक बड़े कैंपस में निर्मित है। इस अस्पताल में 300 बेड्स और 100 से अधिक डॉक्टर और 700 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। सेवनहिल्स अस्पताल में निवारक और उपचारात्मक देखभाल के साथ-साथ कार्डिक देखभाल, आपातकालीन और क्रिटिकल देखभाल, चिकित्सा और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, कॉस्मेटिक देखभाल, न्यूरोलॉजी और न्यूरो-सर्जरी, और ऑर्गन- ट्रांसप्लांट सहित सभी प्रमुख विशेषताएं प्रदान की जाती हैं। सीसीयू (क्रिटिकल केयर यूनिट) इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू), कैथ लैब, 128-स्लाइस-सीटी, डीलक्स वार्ड, 1.5 टेस्ला एमआरआई, प्रायोरिटी क्लिनिक लाउंज और मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) कुछ ऐसी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे इसमें उपलब्ध हैं। आंध्र प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त सेवनहिल्स अस्पताल में इन-हाउस नर्सिंग कॉलेज और प्रशिक्षण सुविधा मौजूद है, तथा राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड ने अस्पताल को सामान्य सर्जरी और एनेस्थिसियोलॉजी में डिप्लोमेट इन नेशनल बोर्ड कार्यक्रम प्रदान करने के लिए मान्यता प्रदान की है। समाधान पेशेवर की सहायता से अधिग्रहण को पूरा किया जा सका।

महतारी वंदन योजना : बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने मां ने निवेश की राशि

रायपुर। एक दौर था जब बच्चों के भविष्य की चिंता सताती थी। जो कमाई होता था, वह घर खर्च में ही इस्तेमाल हो जाता था। हाथ में ज्यादा पैसे बच नहीं पाते थे। इसलिए किसी भी चीज में निवेश करने के लिए सोचना पड़ता था, लेकिन अब जिंदगी बेफिक्री हो गई है। यह कहना है रायपुर जिले के कबीर नगर निवासी रत्ना कन्नौजे का। दरअसल, महतारी वंदन योजना की राशि से श्रीमती कन्नौजे को प्रतिमाह एक हजार रूपए बैंक खाते में प्राप्त हो रहा है। वे कहती है कि बच्चों की पढ़ाई व अन्य चीजों में बहुत खर्च हो जाते है। भविष्य के लिए पैसे बच नहीं पाते थे, लेकिन महतारी वंदन योजना की शुरूआत होने से भविष्य सुरक्षित करने की राहें आसान हुई है। वे कहती हैं कि प्रतिमाह प्राप्त होने वाली राशि का इस्तेमाल म्यूचअल फंड में निवेश कर रही है। उनका मानना है कि भविष्य में यह राशि दोगुनी होकर मिलेगी। जिसे वे बच्चों की अच्छी शिक्षा में इस्तेमाल कर सकेंगी। बेटे रजनीश कन्नौजे की पढ़ाई में योजना से प्राप्त होने वाली राशि से काफी सहयोग मिल रहा है। श्रीमती कन्नौजे कहती है कि महतारी वंदन योजना की राशि को मैंने पांच वर्ष तक निवेश करने का प्लान बनाया है। क्योंकि प्रतिमाह राशि का निवेश होने से भविष्य में काफी सहायता मिलेगी। इसके लिए वे माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद भी कर रही है। उनका कहना है कि इस योजना से आर्थिक स्वावलंबन मिलेगा। मेरे जैसे अनेक महिलाओं और उनके परिवार का उत्थान हो सकेगा। ऐसे लाभकारी योजना से जीवन में बड़ा परिवर्तन भी आएगा। नारी शक्ति को बेहतर अवसर मिलेंगे और छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा के अनुरूप उठाए गए कारगर कदम से महिलाओं को ताकत भी मिलेगी।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :- 07749-222370, Email Id :- ee-res.balod@gov.in

मैनुअल पध्दति निविदा सूचना तृतीय बार)

क्रमांक / 03 / ब.ले.लि./ ग्रा.यां. सेवा / 2024-25 बालोद, दिनांक 11.07.2024

छत्तीसगढ के राज्यपाल की ओर से बालोद जिले में स्वीकृत निम्नलिखित कार्यों के लिये सामग्री प्रदाय हेतु लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार अथवा वाणिज्यिकर विभाग में सामग्री प्रदाय हेतु पंजीकृत फर्म / डीलर से कार्य विभाग मैन्युअल के अपेडिक्स 2.15 के अनुसार प्रपत्र सी में स्पीड़ पोष्ट अथवा पंजीकृत डाक द्वारा तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 18.07.2024 को अपरान्ह 5.30 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाऐं दिनांक 19.07.2024 को प्रात: 11.30 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी ।

कार्य का नाम :-

1. समुदाय के लिये खेल मैदान निर्माण कार्य (वानिकी वृक्षो का ब्लाक वृक्षारोपण कार्य / बजर भूमि का समतलीकरण कार्य / मिट्टी मरूम रोड कार्य / जल अवशोषण ट्रेन्च कार्य) ग्राम मेडकी ग्राम पंचायत ओरमा विकासखण्ड बालोद सामग्री प्रदाय की अनु. लागत राशि रू. 10.14 लाख अमानत राशि 11200/- निविदा प्रपत्र का मुल्य 750/- सामग्री प्रदाय की अवधि 06 माह

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विकय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल http://cg.nic.in/resworks/Tender_test_report.asp& या अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 11.07.2024 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय, में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
बालोद जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-242501038/2

संक्षिप्त-खबर

जोगी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शमसुल आलम ने ठा. प्यारे लाल स्कूल के बच्चों के साथ मनाया शहीद दिवस

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जोगी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शमसुल आलम ने लालबाग थाना स्थित शहीद व्हीके चौबे की मूर्ति में माल्यार्पण कर ठाकुर प्यारेलाल स्कूल के बच्चों के साथ शहीदों को नमन कर कॉपी और पेंसिल वितरण कर शहीद दिवस मनाया। आज से 15 वर्ष पूर्व राजनांदगांव के मदनवाड़ा में नक्सल ऑपरेशन में तत्कालीन एसपी स्व. व्हीके चौबे के साथ 29 जवान शहीद हो गए थे, जिनकी याद शहीद दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर शमसूल आलम कार्यकर्ताओं के साथ प्यारेलाल स्कूल पहुंचे और बच्चों के साथ राष्ट्रगान गाकर 2 मिनट मौन रख शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही बच्चो के मनोबल को बढ़ाने के लिए पूरे स्कूल के बच्चों को कॉपी और पेंसिल वितरण किया व शहीद दिवस के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य और स्टाफ के साथ जिलाध्यक्ष शमसुल आलम, जिला महासचिव नमन पटेल, जिला महासचिव मिथुन बघेल, महिला शहर अध्यक्ष शकुंतला साहू, आकाश साहू, आकाश पटेल आदि 50 की संख्या में कार्यकर्ता और सैकड़ों छात्र उपस्थित थे।

बिना अनुमति के स्कूल परिसर के 15 वृक्षों की कटाई करवाने पर प्रधान पाठक निलंबित

गरियाबंद (समय दर्शन)। बिना अनुमति के मुरमुरा स्कूल परिसर के वृक्ष कटाई करने पर कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार प्राथमिक स्कूल के प्रधान पाठक को निलंबित कर दिया गया है।साथ ही मीडिल स्कूल के प्रधान पाठक का निलंबन प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने निलंबन आदेश जारी कर दिये है।डीईओ ने बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला मुरमुरा के विद्यालय परिसर में स्थित 15 वृक्षों की कटाई उच्च कार्यालय से अनुमति लिये बिना कटवाने पर प्रधान पाठक भुनेश्वर यादव को निलंबित किया गया है।साथ ही शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मुरमुरा के प्रधान पाठक गनपत राम साहू का निलंबन प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा गया है।डीईओ ने बताया कि मुरमुरा स्कूल परिसर में लगे 15 निलगिरी एवं अन्य वृक्षों की कटाई के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। उक्त संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी से मामले का जांच कराया गया। जांच प्रकरण में दोषी पाये गए शिक्षक पर कार्यवाही की गई है।

लोक अदालत के चलते गरियाबंद सीटी कोतवाली की कार्यवाही

गरियाबंद (समय दर्शन)। 13 जुलाई गरियाबंद नगर के न्यायालय में लोक अदालत का आयोजन किया जाना है।वही इस लोक अदालत के चलते गरियाबंद सीटी कोतवाली और यातायात पुलिस की सँयुक्त कार्यवाही कोतवाली के सामने किया गया।इस कार्यवाही के दौरान नशे में मोटसाइकिल चलाने,तीन सवारी,कागजात न रखने और बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चलाने वाले चालको के खिलाफ 30 मोटरविकल एक्ट का प्रकरण बनाते हुए गरियाबंद न्यायालय में पेश किया जाएगा जिन्हे न्यायालय द्वारा अर्थ दंड के पश्चात मोटरसायकिल को छोड़ा जाएगा।

इस कार्यवाही में 15 न्यायालयीन प्रकरण बनाया गया जिन्हे न्यायालय में जुर्माना के पश्चात छोड़ा जाएगा साथ ही 15 प्रकरण में पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए 10300 रूपये का जुर्माना विभिन्न कार्यवाही के तहत मोटर विकल एक्ट में किए। इस कार्यवाही के दौरान मोटरसायकिल और चार पहिया वाहन चालकों को यातायात सम्बन्धित जानकारी देते हुए उन नियमों को पालन करने अपील किये।

पशु चिकित्सालय का घेराव और ताला लगाने पहुंचे गौ-सेवक

गौवंशों के उपचार में लापरवाही, बजरंग दल का फूटा गुस्सा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर में बढ़ते हुए एक्सीडेंटो के बीच बजरंग दल और जीव सेवी संस्थान बढ़-चढ़कर आवारा मवेशियों के घायल होने पर उपचार जैसे प्रबंध कर दे है, वही शासकीय पशु चिकित्सालय की बड़ी लापरवाही के चलते गौ वंश मृत्यु को प्राप्त हो रहे है। नगरवासियों द्वारा कुछ दिनों से गौवंशो को बिना उपचार के मौत और शासकीय डॉक्टर की लेटलतीफी पाए जाने पर बजरंग दल का गुस्सा फूटा।

सुबह बजरंग दल के बजरंगी पूरे आक्रोश से पशु चिकित्सालय कस्तूरबा स्कूल के सामने पहुंचे और प्रभारी से इस स्थिति और इनके समाधान की बात की, जिसके बाद जिला कलेक्टर एवं पशु चिकित्सा अधिकारी के त्वरित समाधान आश्वाशन पर शांत हुए।

यहां उपस्थित प्रांत गौरक्षा प्रमुख प्रशांत दुबे ने बताया कि शहर में लंबे समय से पशु चिकित्सकों की लापरवाही और बहानेबाजी की शिकायतें संगठन को प्राप्त हो रही थी, राजनांदगांव संस्कारधानी माना जाता है, जहां अनेक संस्थान अपने-अपने स्तर पर प्राणियों और गौवंशों की सेवा कर रहे है, परंतु जब वे इस पशु चिकित्सालय से मदद मांगते हैं तो उन्हें दवाइयां न होने, स्टाफ न होने का हवाला दिया जाता है। फ्रि इस पशु चिकित्सालय का काम ही क्या है, ये ऑफ्सि में बैठकर राज्य का वेतन कमा थे है और गौ-सेवकों दिन-रात मेहनत कर रहे है। इसी कारण आज यह कार्यवाही की गई और प्रशासन से गौ रक्षा हेतु सख्त रूख अपनाने की नसीयत दी गई, अन्यथा संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य रहेगा। वहीं राजनांदगांव जिला गौरक्षा प्रमुख अंशुल कसार ने बताया कि पशु चिकित्साक अपने आप में वार्ड डिविजन जैसी अजीब-अजीब व्यवस्था कर के बैठे है, जिस से शहरवासियों से घटना स्थल की सूचना मिलने पर वो एरिया हमारा नहीं है, ऐसे पशु चिकित्सकों के होते है। राजनांदगांव में एक वीआईपी कल्चर विद्यमान हो चुका है, जिसमें कुछ खास व्यक्तियों का ही फोन ये डॉक्टर उठाते है और इलाज हेतु रिस्पॉन्स करते है।

ऐसे में एक सामान्य नागरिक कहां जाए, जिनकी सेवा के लिए इन पशु चिकित्सकों को सरकार ने नियुक्त कर वेतन पर रखा है। ये पूरी तरह से बंद हो और जिले की मोबाइल यूनिट से कोई सेवा आज तक नगरवासियों को नहीं मिल सकी है, जबकि यह 4 वेन संचालित है। इन वेनों में से एक नगर निगम के 51 वार्डो हेतु प्रशासन मोबाइल यूनिट आरक्षित करें, जिस से शहर को घटनाओं में अंकुश लगे। उक्त स्थान प्राप्त बजरंग दल प्रांत गौ रक्षा प्रमुख प्रशांत दुबे, विश्व हिंदू परिषद विभाग मंत्री अरूण गुप्ता, विहिप जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, विहिप संपर्क प्रमुख लाल मुनाई सिंह, बजरंग दल जिला संयोजक सुनील सेन, जिला गौरक्षा प्रमुख अंशुल कसार, राजू तवर, जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख आशीष तिवारी, विहिप नगर मंत्री बाबाजी मेश्राम सहित नगर संयोजक अनुज गावरे, प्रतीक, हर्षु व्यास, आदर्श, गणेश्वर आदि, ईशान, सागर, गज्जू सहित बड़ी संख्या में बजरंगी गौसेवक उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडी में वृक्षारोपण किया संगम समिति ने

सरायपाली(समय दर्शन)। संगम सेवा समिति द्वारा एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तर्ज पर संगम सेवा समिति एवं कृषि उपज मंडी द्वारा मंडी परिसर में लगभग 121 पौधों का रोपण किया गया जिसमे आम जामुन नीम सीताफ्ल के हाइब्रिड पौधों का रोपण किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम में संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल, सचिव खीरभान सिंह ध्रुव् ,मंडी निरीक्षक सुशील कुमार साहू ,अनु अधिकारी जयंत सीह चौहान,जयेन्द्र पटेल,महेंद्र भोई,ने मिल कर वृक्षारोपण किया गया एवं समिति के सदस्य तुषार सेन(अधिवक्ता),अमित पटेल,तरुण गड़तिया,विजय नाग, उपस्थित रहे साथ ही कृषि उपज मंडी सराईपाली के द्वारा उप कृषि उपज मंडी बलौदा में 25 एवं तोषगांव उप मंडी में 25 पौधों का रोपण किया गया।

खाद की कमी का जायजा लेने सोसायटी पहुंची विधायक चातुरी नंद

डीएपी की कमी पर जताई नाराजगी, डीएमओ से दूरभाष पर चर्चा कर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सरायपाली (समय दर्शन)। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद खाद की कमी को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद ग्राम कुसमीसरार के सोसायटी पहुंच कर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें डीएपी की कमी के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने मौके पर ही डीएमओ को दूरभाष पर बात कर नाराजगी जताते हुए जल्द व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मीडिया को जानकारी देते हुए विधायक चातुरी नंद ने बताया कि क्षेत्र में लगातार खाद की कमी बनी हुई परंतु जिम्मेदार अधिकारियों को किसानों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। किसानों को डीएपी एवं यूरिया समय पर नहीं मिल पा रहा है जिससे वे खेती में पिछड़ रहे है। विधायक नंद ने बताया कि डीएमओ ने उन्हें खाद की कमी यथाशीघ्र दूर करने का आश्वासन दिया है और जल्द ही 250 टन खाद की सप्लाई सरायपाली विधानसभा क्षेत्र में करने की बात बताई है। बता दें कि सरायपाली विधायक चातुरी नंद जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाती है। उन्होंने विधानसभा से लेकर जमीनी स्तर पर भी आम जन से जुड़े मुद्दों को शासन प्रशासन के समक्ष रखा है। हाल ही में उन्होंने गौरव पथ निर्माण में भ्रष्टाचार, अघोषित बिजली कटौती और अमृत जल जीवन मिशन के काम में देरी सहित कई मुद्दों को लेकर एक दिवसीय भूख हड़ताल पर बैठी थी।

स्टॉप डायरिया कैंपेन के अंतर्गत जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में स्टॉप डायरिया कैंपेन 1 जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024 तक 2 महीने चलेगा।ज्ञात हो कि बच्चों में मृत्यु का एक प्रमुख कारण डायरिया या दस्त है,जिसका समय पर निदान और उपचार से बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।इसी कारण बच्चों में डायरिया या दस्त से होने वाली मृत्यु की रोकथाम हेतु स्टॉप डायरिया कैंपेन या दस्त रोको अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रहा है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गार्गी यदु पॉल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के दौरान जिले के सभी विकासखण्डों में 0 से 5 वर्ष के बच्चों के घरों में भेंट कर मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा ओ.आर.एस.पैकेट और 14 दिनों का जिंक की गोलियां प्रदाय की जा रहीं है और बच्चों के माता पिता एवं पालकों को ओ.आर.एस.घोल बनाने दस्त के समय पिलाने तथा हाथ धुलाई और स्वच्छता,शिशु पोषण एवं आहार व्यवहार के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है,तथा डायरिया से पिड़ित बच्चों में गंभीर लक्षणों की पहचान कर उनके उपचार प्रबंधन के संबंध में बताया जा रहा है।विशेष रूप से डायरिया के कारण बच्चों में होने वाला निर्जलीकरण जिसमें शरीर में पानी की कमी हो जाती है के उपचार हेतु ओ.आर.एस. की उपयोगिता तथा ओ.आर.एस.उपलब्ध ना होने पर घर पर ही जीवन रक्षक घोल तैयार करने के बारे में भी बताया जा रहा है।इसके अतिरिक्त डायरिया नियंत्रण के लिए मैदानी स्वास्थ्य कर्मीयों और मितानिनों द्वारा स्कुलों आँगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को स्वच्छता,दस्त की रोकथाम एवं बचाव,भोजन के पहले एवं शौच के बाद साबुन या हँडवाश से हाथ धुलाई के तरीके के साथ ओ.आर.एस.घोल बनाने और दस्त के समय उसका उपयोग करने के बारे में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जानकारी देते हुए जनजागरूता कार्यकम आयोजित किये जा रहें हैं।इसी क्रम ग्राम भिलाई के स्कूल आंगनबाड़ी में स्वास्थ्य संयोजक सुरेखा तिवारी, मितानिन माधवी ध्रुव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रागनी ध्रुव, शिक्षक चितरंजन व शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जड़जड़ा में शिक्षकों, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में ग्रामिण स्वास्थ्य संयोजक, हेमलता देवांगन तथा सी.एच.ओ.रूपमाला राउड के द्वारा हाथ धुलाई के तरीके बताए।

कलेक्टर ने सुकली आंगनबाड़ी केंद्र में ''एक पेड़ मां के नाम'' के तहत रोपा आम का पौधा

बच्चों से पूछे सवाल, बाटी टॉफी देकर बढ़ाया उनका उत्साह, पढ़ाया जल संरक्षण का पाठ

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा ने शुक्रवार को नवागढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत सुकली की आंगनबाड़ी केंद्र में ''एक पेड़ मां के नाम'' के तहत आम का पौधा लगाया और ग्रामीणों, महिलाओं एवं बच्चो में पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता को लेकर संदेश दिया। इसके साथ ही ''जल शक्ति से नारी शक्ति'' अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ भी दिलवाई। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति देवी सिंह, सुकली सरपंच श्री भोजराम करियारे, महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों ने पौधरोपण किया।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका के साथ ही पौधरोपण करते हुए कहा कि इस अभियान के तहत जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान से जुड़कर हम सभी मिलकर पानी के महत्त को समझ सकते है और आज की पीढ़ी के लिए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पानी का संचयन, रेनवाटर हार्वेस्टिंग तथा खराब पानी का अन्य उपयोग इत्यादि विषय पर जानकारी देकर जागरूक कर सकते है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए जरूरी है कि हम पानी को व्यर्थ न बहाए और दिनचर्या में छोटी छोटी चीजों में जल संरक्षण का ख्याल रखते हुए बचत करें। वृक्षारोपण करने के उपरांत उन्होंने बच्चों से आंगनबाड़ी केंद्र में दी जा रही प्रार्रभिक शिक्षा को लेकर जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गौरव, करुणा, देवांश, करण, खुशी, मयंक आदि बच्चों से उनका नाम, गिनती, ए बी सी डी, कविता एवं आगनबाड़ी में दिए जा रहे पोषण आहार के बारे में पूछा। बच्चों ने प्रश्नों का जबाव दिया तो कलेक्टर श्री छिकारा ने खुश होकर उन्हें टॉफी बाटी। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को कुपोषित बच्चों, गर्भवती, शिशुवती माताओं के घरों में फलदार पौधो के रोपण का अभियान चलाने, बेटियों के नाम से भी वृक्षारोपण करने कहा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ वर्ष 2024, फसल बीमा आच्छादन की अंतिम तिथि 31 तक

महासमुंद(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले में खरीफ वर्ष 2024 में ग्राम स्तर पर धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, सोयाबीन एवं राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर मूंगफली, अरहर, मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी एवं रागी फसलों को अधिसूचित किया गया है, जिसका बीमा 31 जुलाई 2024 तक कराया जा सकता है। इसी प्रकार रबी वर्ष 2024-25 में ग्राम स्तर पर चना, गेहूं सिंचित, गेहूं असिंचित एवं राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर राई, सरसों एवं अलसी फसलों को अधिसूचित किया गया है जिसका बीमा 31 दिसंबर 2024 तक कराया जा सकता है। उप संचालक कृषि एफआर. कश्यप ने किसानों को नजदीकी बैंक एवं सहकारी समितियों से संपर्क कर फसल बीमा कराने और योजना का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ वर्ष 2024 का सुगमतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए फसल बीमा आच्छादन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 है। जिसके लिए कृषकों की जानकारी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल में इन्द्राज करने के लिये पोर्टल को लाईव किया गया है। कश्यप ने समय सीमा में कृषकों की जानकारी पोर्टल में इन्द्राज किए जाने संबंधित अधिकारियों को अपने अधीनस्थ बैंक/समिति/वित्तीय संस्था/लोक सेवा केन्द्र को खरीफ 2024 योजना अंतर्गत कृषकों के पंजीयन हेतु राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल लाईव होने की जानकारी से अवगत कराते हुये ऋणी एवं अऋणी कृषकों की पंजीयन की कार्यवाही हेतु निर्देशित करने कहा है।

आत्मानंद स्कूल में किए वृक्षारोपण

गरियाबंद (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय गरियाबंद में जिला प्रशासन द्वारा वृक्षारोपण के लक्ष्य एक पेड़ मां के नाम थीम के अंतर्गत के अंतर्गत पूरे शाला परिवार के साथ वृक्षारोपण किया गया जिसमें इको क्लब के माध्यम से पेड़ पौधे को सुरक्षित रखने के उपाय दुर्गेश नंदिनी के द्वारा बताया गया।वही संस्था प्रमुख दीपक कुमार बौद्ध प्राचार्य ने कहा,'यह अभियान न केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है,बल्कि यह मातृत्व के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का एक सुंदर तरीका भी है। कार्यक्रम के दौरान,शिक्षकों ने स्थानीय समुदाय को भी वृक्षारोपण के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें भी इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने बताया कि एक पेड़ लगाने से न केवल पर्यावरण में सुधार होता है, बल्कि यह अगली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और हरित भविष्य की नींव भी रखता है।विभाग ने इस अभियान के अंतर्गत भविष्य में और भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)
// ईश्तहार //

मामला कमाक / /23-24

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णा बंजारे साकिन बोरियाकला दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा अपने इतवारी/ पदुम की मृत्यु दिनांक 05/9/1990 को हो चुकी है। उक्त संबंध में मृत्यु प्रमाण पत्र चाहा गया है जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना होतो दिनांक 24/07/24 तक सायं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है।

आज दिनाक 09/7/24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.ई.पंजी./202407082200014/अ-6 वर्ष 2023-24

आवेदक मो. जमील खान साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित शीट क्र.- 16बी भू खंड क्र. 46/9 क्षेत्रफल 17.01 व.मी. जो नजूल संधारण खसरा में शहीदा बेगम पति जमील खां के नाम पर दर्ज है। उक्त भू-खंड के मूल धारिका की मृत्यु दिनांक 20.08.2007 को हो जाने के कारण उनके वारिसान का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 29.07.2024 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम स आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 09-07-2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 09.07.2024
पेशी दिनांक 29.07.2024

नजूल अधिकारी
कबीरधाम
मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली, जिला महासमुन्द
// ईश्तहार //

कमांक 245/ क/ भू व्यप / अविअ/24 सरायपाली दिनांक 08/07/2024

आवेदक मोहनलाल पिता सोनसाय निवासी ग्राम डोगरीपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा ग्राम डोगरीपाली में स्थित भूमि खसरा नंबर 383, 379, 381 रकबा क्रमशः 0.14, 0.23, 0.05 हे. भूमि को कृषि मद से भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु बी-1, नक्शा एवं खसरा के बैनामा के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा आवेदित उक्त भूमि को व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 23/07/2024 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08-07-2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सरायपाली
मुहर

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, धमतरी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 155699/ निविदा सूचना क्र. 01/ वलेलि/ 2024-25, धमतरी, दिनांक 08.07.2024

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 29.07.2024, समय-17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम : ग्राम सिरसिदा (रावनसिंघी) स्टापडेम कम काजवे के डाउन स्ट्रीम में दांयी तट पर आर.डी. 0 मी. से 45 मी. तक एवं बांयी तट पर आर.डी. 0 मी. से 45 मी. तट संरक्षण बंड का निर्माण कार्य ।

अनुमानित लागत : रूपये 47.46 लाख ।

(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संसोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 15.07.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, धमतरी
जिला- धमतरी (छ.ग.)

G-242500965/4

संक्षिप्त-खबर

ग्राम पंचायत टेमरी में आयोजित हुआ जल मड़ई एवम एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम

पाटन (समय दर्शन)। जल संरक्षण पाटन विधानसभा में 11 से 13 जुलाई तक जल मड़ई सप्ताह मनाया जा रहा है। जल मड़ई के अंतर्गत पौधरोपण के साथ ही जल संरक्षण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। जल है तो कल है, क्योंकि पानी के बिना पृथ्वी पर किसी का भी जीवित रहना असंभव है। वही स्कूल के बच्चो द्वारा मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। खेमलाल देशलहरे ने कहा कि पानी व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि इसके बिना कई गतिविधियाँ पूरी नहीं की जा सकतीं। फिर भी व्यक्ति इसे बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। जल हम बना नही सकते, लेकिन बचा तो सकते हैं। जल और वृक्ष जीवन का अमूल्य आधार है।

16 जुलाई को मेगा रोजगार मेला का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिला प्रशासन जांजगीर चांपा एवं रोजगार कार्यालय जांजगीर-चांपा द्वारा जिले के शिक्षित एवं प्रशिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेगा रोजगार मेला का आयोजन 16 जुलाई 2024 को प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक लाईवलीहुड कालेज, जांजगीर में किया जा रहा है।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मेगा रोजगार मेला में में निजी क्षेत्र के 11 सेक्टरों में 30 निजी नियोजको द्वारा 7233 पदों पर कार्यवाही की जाएगी। उक्त रोजगार मेला में मैकेनिक सेक्टर में 836, सिक्युरिटी सेक्टर में 2500, कृषि सेक्टर में 113, फाईनेंस सेक्टर में 262, टेक्निकल सेक्टर में 480, सर्विस सेक्टर में 620, बीमा क्षेत्र में 163, हेल्थ सेक्टर में 242, शिक्षा सेक्टर में 05, गारमेंट्स सेक्टर में 2002 एवं आटोमोबाइल सेक्टर में 10 पद शामिल है। कुल 7233 पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा, पीजीडीएस, आदि निर्धारित की गई है। 16 जुलाई 2024 को आयोजित होने वाले रोजगार मेला में शामिल होने के इच्छुक युवा अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ लाईवलीहुड कालेज जांजगीर में उपस्थित हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय जांजगीर वांपा से भी संपर्क कर सकते है।

लगातार अभ्यास और लगन एवं कड़ी मेहनत से मिलती है सफलता - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर में राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले जिले के विभिन्न खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान कलेक्टर ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान आने वाले खिलाड़ियों को शासन की ओर से पुरस्कार स्वरूप मिलने वाले सम्मान राशि का चेक वितरण कर प्रमाण पत्र प्रदान किया। कलेक्टर ने जिले के राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी उपलब्धियों पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेल के प्रति लगातार अभ्यास और लगन कड़ी मेहनत से सफलता जरूर मिलती है। सहायक कलेक्टर श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने खिलाड़ियों के उपलब्धियां पर चर्चा करते हुए खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में रेशमा कश्यप, अखिलेश कुमार, राहुल कुमार यादव, रितेश भारद्वाज, शिक्षा यादव, सुरज केंवट, जिज्ञासा यादव, दीपिका यादव, योगिता केंवट, रोशन गढ़वाल हैं। इस दौरान जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री प्रेमलाल पांडेय, श्री दिनेश चतुर्वेदी सहित प्रशिक्षक व खिलाड़ी उपस्थित थे।

विधायक राजू सिन्हा ने खिलाड़ियों को मोमेन्टो, पदक एवं सम्मान राशि प्रदान कर किया सम्मानित

महासमुंद(समय दर्शन)। राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता पदक सम्मान समारोह का आयोजन गुरूवार को नवकिरण अकादमी मे आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेन्टो, पदक, सम्मान राशि बैक ड्राफ्ट 21000 व ब्लेजर देकर सम्मानित किया गया। इनमें प्रियांशु साहू बेसबाल 17 वर्ष, झलेन्द्र कुमार साहू बेसबाल 19 वर्ष, कु. डोमेश्वरी साहू बेसबाल 14 वर्ष, शा.उ.मा.वि.भोरिंग व बबिलास मुर्मू कबड्डी 14 वर्ष, योगेश सागर कबड्डी 14 वर्ष जे.एम.एस.उ.मा.वि जगदीशपुर शामिल है। साथ ही व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई शा.उ.मा.वि.भोरिंग व हेमन्त बारीक जे.एम.एस.जगदीशपुर को मोमेंटो से सम्मानित किया गया।

अंतत:अवैध रेत परिवहन पर एसडीएम सरायपाली ओंकारेश्वर सिंह ने की कार्यवाही

खबर का असर

बसना(समय दर्शन)। दैनिक अखबार एवं शोसल मीडिया मे वायरल होने के बाद अंतत:एक वाहन क्रमांक ओडी-02 बीडी-3999 को जप्त कर थाना सराईपाली को सुपुर्द किया गया है। आपको बता दें की जिले के साथ साथ सरायपाली शहर और ब्लॉक के कई ग्रामों में रेत का दिन दहाड़े, रेत माफिया द्वारा रोजाना अवैध परिवहन व भंडारण किया जा रहा है।

एरिया से होकर रोजाना 25 से 35 हाईवा,डम्फर (10 चक्का, 12 चक्का गाड़ी) के माध्यम से अवैध रेत परिवहन कर माफिया चांदी काट रहे हैं।

चिरोली घाट (अवैध खनन ओड़िसा) से रोजाना 15 गाड़ियां (डम्पर, हाईवा) में गढफुलझर (थाना बसना) के रास्ते होते हुए राजाडीह, अंतर्ला, जोगनीपाली होते हुए सरायपाली और बसना आ रही है!

इसी तरह सरसीवां मार्ग से रात के अंधेरे में भी अनेक गाड़ियां आ रही हैं! इसी तरह साँकरा नदी से भी अनेकों गाडियाँ रेत भरकर पार कर रहे हैं ।

गौरतलब है कि अवैध रेत परिवहन से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी काफी परेशान हैं क्योंकि 12 टन भार सहने वाली प्रधानमंत्री सड़क पर धड़ल्ले से दिन रात ओवर लोडेड 30 टन, 40 टन की गाडियां चलने से सड़क जर्जर हो रही है!

खनन विभाग देख कर भी अनदेखा कर रहा है।

आखिर क्या माजरा है?

अवैध खनन से रोजाना शासन को लाखो रू की राजस्व / रॉयल्टी की हानि हो रही है और खनिज विभाग मुक दर्शक बने सब खेल देख रहा है। जिला खनिज अधिकारी देवेन्द्र साहू फोन भी उठाना मुनासिब नहीं समझते। ज्ञात हो कि 24 जून को अवैध रेत उत्खनन, रेत माफियाओं द्वारा जिले के सभी ब्लॉक में परिवहन, भंडारण किया जा रहा है।

अवैध रेत परिवहन एवं भण्डारण पर विभाग मौन

बसना (समय दर्शन)। बसना और सरायपाली की उड़ीसा सीमा क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन एवं भण्डारण का कारोबार बदस्तूर जारी है । विभाग की मौन सहमति से फल फूल रहा रेत का अवैध कारोबार बेरोकटोक जारी है। शहर व आसपास के क्षेत्रों में अवैध रूप से रेत का भंडारण किया जा रहा है।

वहीं रोजाना दिन व रात दर्जनों हाईवा से रेत लाया जा रहा है। प्रशासन के नाक के नीचे अवैध कारोबारियों को आखिर किसका संरक्षण प्राप्त है ? समझ से परे है।

प्रधानमंत्री सड़क पर धड़ल्ले से दिन रात चल रहे ओवर लोडेड 30 टन, 40 टन की गाडियां रोड को लगातार हानी पहुँचा रहे हैं। ओडिशा से पझरापाली, राजाडीह गढफूलझर जंगलबेड़ा सिरपुर ,तोरेसिंहा, अन्तरला होते हुए रोजाना सरायपाली आ रहा है। वहीं गढफुलझर, से बसना व देवरी होकर गंतव्य तक अवैध रेत का परिवहन चल रहा है। चिरोली घाट से रोजाना 15 गाड़ियां (डम्पर, हाईवा) में गढफुलझर (थाना बसना) के रास्ते होते हुए राजाडीह , अंतर्ला, जोगनीपाली होते हुए बसना सरायपाली पहुँच रहा है। गौरतलब हो कि, इस मार्ग से अंधेरे मे भी गाडियाँ चल रही है। हलाइएन जी टी की नियमों को भी देखा रहे ठेंगा। अवैध उत्खनन से लाखो के राजस्व, रायल्टी का घाटा हो रहा है। विगत दिनो जून मे प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने रेत के अवैध उत्खनन,परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही के निर्देश दिए थे,,जिसके बाद प्रशासन चौकन्ना होकर 40 हाईवा जप्तकर खनिज विभाग को सौंपा था,सूत्रों से पता चला है,,उन गाड़ियों के मालिक अभी तक सामने नही आ रहे।

क्या कहती है अधिनियम- इन प्रकरणों मे प्रभावी रोकथाम हेतु खान और खनिज अधिनियम1957 के तहत धारा4 (1) एवं 4(1-क)केअनुसार इस अधिनियम और उसके अधीन बनाये गये नियमो के उपबंधों के अनुसार कोई व्यक्ति खनिज का उत्खनन, परिवहन,भंडारण नही करेगा व करायेगा। इस अधिनियम का उल्लंघन करने पर पाँच वर्ष तक का कारावास एवं प्रति हेक्टेयर के हिसाब से पाँच लाख रूपये तक का जुर्माना किये जाने का प्रावधान है इसके अलावा धारा21(12) के तहत अधिनियम के उल्लंघन करते पाये जाने पर दो वर्ष तक कारावास ,पाँच लाख रूपये तक या दोनों से दंडित करने का प्रावधान है । उलंघन लगातार जारी रहने की दशा मे प्रतिदिन के हिसाब से पचास हजार रुपये तक दण्ड का प्रावधान है।

ओव्हर लोड से रोड हो रहे खराब,राजस्व रायल्टी का हो रहा घाटा- बगैर नंबर प्लेट की भी गाड़ियां दौड रही है। माइनिंग एवं आर टी ओ विभाग सुस्त है। जैसे सौंकरा, चिरोली, सोनपुर, आदि जगहों से ट्रैक्टर और हाईवा से रेत की सप्लाई की जा रही है। सूत्रों से पता चला है कि,कुछ जगह जंगल के अंदर भी डम्प करके रखा जा रहा है। बसना,पिथौरा, सरायपाली क्षेत्र में अब तक किसी भी अधिकारी ने रेत के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की है,। ओवरो लोडेड गाड़ियों से रोड लगाकर कट और उखड़ रहा है। कई जगह डबल केजरीवाल ट्रेक्टर की रोड मे आवाजाही से रोड कटकर क्षतिग्रस्त हो रहा है। गाँव के सरपंच ,जनप्रतिनिधि और स्थानीय अधिकारी कर्मचारी शासन को चूना लगते देख चुप्पी साधे हैं । फील्ड में हो रहे विभागीय अवैध कारोबार मे लगाम लगाने की बजाय माइनिंग विभाग न जाने क्यों सुस्त है ?

12 टन की प्रधानमंत्री सड़क पर धड़ल्ले से दिन हो या रात रेत लोडेड 30 टन, 40 टन की गाडियां चल रही है । सड़क जर्जर हो रहा है । प्रशासनिक कार्यवाही की दरकार है ? पर प्रशासन एवं विभाग कब जागेगी और क्षेत्र में बेधड़क चल रहे अवैध रेत के कारोबार पर अंकुश लगेगा । या फिर माइनिंग विभाग द्वारा सरकार का हो रहा बेतरतीब घाटे की फेहरिस्त मे और अध्याय जुड़ेगा।

जिला प्रशासन के निर्देशन पर राजस्व व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध रेत उत्खनन व परिवहन करते हुए पिछले माह 40 हाईवा को जप्त किया था। आगे की कार्यवाही करने के लिए खनिज विभाग को मामला सौपा गया था ,,जिसमें आज दिनाँक तक सभी गाड़ियों के मालिक का पता ही नहीं चल पाया है।

आपको बता दें कि जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने 21 जून को अवैध रेत उत्खनन, परिवहन व भंडारण पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए थे। जिसके बाद प्रशासन द्वारा जिले में अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही करते हुए 40 हाईवा जप्त किया है। उल्लेखनीय है कि बारिश के दिनों में शासन अदेशानुसार 15 जून से 15 अक्टूबर तक रेत का उत्खनन, परिवहन के साथ साथ भंडारण भी बंद रहता है। बावजूद इसके रेत माफियाओं द्वारा जिले भर में रोजाना अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण किया जा रहा है।

नियमों के आदेश एवं निर्देश रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन / परिवहन/ भण्डारण के प्रकरणों में प्रभावी रोकथाम हेतु खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत प्रावधान किये गये है जिसमे खान और खनिज (विकास और विनियम) अधिनियम 1957 की धारा 4 (1) एवं धारा 4 (क) अनुसार इस अधिनियम और उसके अधीन बनाये गये।

नियमों के उपबंधों के अनुसार अन्यथा कोई व्यक्ति किसी खनिज का उत्खनन परिवहन या भण्डारण नहीं करेगा या नही करायेगा। जो कोई व्यक्ति धारा 4 (1) या धारा 4 (1) के उपबंधों का उत्पन्न करता है यह ऐसे कारावास की अवधि से जिसकी सीमा पांच वर्ष तक हो सकती है या प्रति हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पांच लाख रुपये तक जुर्माना किया जाने का प्रावधान है। धारा 21 (12) के तहत इस अधिनियम के किसी उपबंध के अधीन बनाये गये कोई नियम के उल्लंघन करते पाये जाने पर कारावास दो वर्ष तक हो सकेगा या जुर्माने पांच लाख रुपये तक या दोनों से दण्डित करने का प्रावधान है तथा उल्लंघन लगातार जारी रहने की दशा में प्रथम दोषसिद्धि के पश्चात अतिरिक्त जुर्माने के रूप में प्रत्येक दिन के लिए पचास हजार रुपये तक दण्डनीय होने का प्रावधान है।

शिक्षा का अलख जगाने के लिए शैक्षिक कैलेंडर का निर्माण

पाटन (समय दर्शन)। राज्य स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय से पुरुस्कृत विद्यालय शासकीय प्राथमिक शाला मेडेसरा में शिक्षा का अलख जगाने के लिए शैक्षिक कैलेंडर का निर्माण किया गया है।

इसी तारतम्य में कैलेंडर का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वादश ज्योतिर्लिंग मेडेसरा के संस्थापक ध्रुव कुमार शर्मा एव सुनीता शर्मा, अध्यक्षता लिमन साहू जनपद सदस्य विशिष्ट अतिथि में कल्पना धुव, पुसऊ राम निर्मलकर ,बाला महराज,मोहन कश्यप रहे।

कार्यक्रम की शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की तैलचित्र पर पुजा अर्चना के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत भाषण में प्रधानपाठक सुनील बंछोर ने शैक्षिक कैलेंडर की उपयोगिता एवं विद्यालय की शैक्षिक क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से बताया एवं कैलेंडर से जनसमुदाय को विद्यालय की गतिविधियों से परिचित कराने के अपने उद्देश्यो को बताया। तत्पश्चात सभी अतिथियों के द्वारा कैलेंडर का विमोचन किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की वरिष्ठ व्याख्याता तारा सार्वा ने विद्यालय की इस प्रयास की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी। माध्यमिक विद्यालय के प्रधानपाठक महेश साहू ने कैलेंडर को प्रस्तुति का एक विशेष तरीका बताकर भूरी भूरी प्रशंसा किए। यह कैलेंडर ध्रुव कुमार शर्मा के सहयोग से तैयार किया गया है जिसमें शैक्षिक सत्र के माह जून से भी तक के तारीख के साथ विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों जैसे कक्षा शिक्षण,योग व्यायाम,खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला, रंगोली, प्रवेशोत्सव, मध्यान्ह भोजन को चित्रों के माध्यम से दिखाया गया है।

साथ ही में उपलब्ध प्रमुख निशुल्क सुविधाओं को विस्तार से अंकित किया गया है। विमोचन के साथ साथ मुख्य अतिथि सुनीता शर्मा का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। तत्पश्चात अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर प्राथमिक व माध्यमिक शाला के सभी बच्चों को बुदी खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। प्रधानपाठक ने उपस्थित जनसमूह से प्रत्येक शुभ अवसर पर विद्यालय के बच्चों के लिए न्यौता भोजन आयोजित करने के लिए अपील किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका पुष्पलता साटकर एवं आभार व्यक्त भूषण साहू ने किया। विद्यालय की इस अभिनव पहल के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कैलाश साहू, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बेनिराम वर्मा, संगीता देवांगन, बीआरसी महावीर वर्मा,सकुल प्राचार्य रश्मिरंजना बंशियार, संकुल समन्वयक सिद्धार्थ भुवाल ने बधाई दी है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भारती चंद्राकर,रेखा तिवारी, रुक्मणी सोनी,कमल किशोर ध्रुव, ईश्वरी ठाकुर,वरुणा ताम्रकार, जानेश्वरी साहू सहित पालकगण मौजूद थे।

सड़क किनारे मलमा का ढेर,निगम ने लगाया कमला मेडिकल संचालक पर जुर्माना

सड़क पर मलमा मिली तो होगी सख्त कार्रवाई- आयुक्त लोकेश चन्द्राकर

दुर्ग(समय दर्शन)। नगर पालिक निगम द्वारा शहर को साफसुथरा रखा जा रहा है और यही कारण है कि सड़क या नाली किनारे रखी निर्माण सामग्री एवं मलमा के मालिकों पर कार्रवाही की तैयारी शुरू कर दी है।भवन निर्माण सामग्री के सड़क पर रखे होने के कारण यातायात तो बाधित होता ही है साथ ही गंदगी भी होती है.इस प्रकार की कार्रवाई के लिए आज वार्ड क्रमांक 28 हाउसिंग बोर्ड काम्पलेक्स स्थित कमला मेडिकल संचालक संकित जैन द्वारा सड़क किनार भवन मलमा रखा हुआ पाया गया। जिसे आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग के वार्ड सुपर वाइजर के द्वारा एक हजार रुपये जुर्माना ठोंका गया।

इस कार्रवाई से ऐसा करने वाले बाकी लोगों में दहशत व्याप्त है।भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नगर निगम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है।कार्रवाई के लिए आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा भवन शाखा व निगम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को दायित्व सौपा गया है।

सड़क पर बाधा डालने वाले सामग्री की शिकायत या निरीक्षण के दौरान पाए जाने पर निगम द्वारा कार्यवाही की जावेगी।उक्त संबंध में भवन शाखा अधिकारी,स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षकों को कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए गये है। इसी कड़ी में शुक्रवार को कार्यवाही की गई और सड़क पर निर्माण सामग्री रखे जाने पर एक हजार रुपए जुर्माना वसूले गए। नगर निगम के कर्मचारी द्वारा संचालक को कार्रवाई की चेतावनी देते हुए उसे शाम तक सड़क पर रखे मलमा हटाने को कहा गया है। अवैध सामाग्री नहीं हटाने पर जब्ती के साथ साथ और अधिक जुर्माना अधिरोपित की कार्रवाई अमल में लायी जाएगी।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए रणनीति बनाना प्रारंभ, अध्यक्ष और पार्षद तलाशने मतदाता शांत

गरियाबंद(समय दर्शन)। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही कुछ ही महीनों में नगरीय निकाय का चुनाव होना है,उस चुनाव को लेकर प्रशासन द्वारा एक ओर परिसीमन का कार्य लगभग पूरा किया चुका है,वही कांग्रेस बीजेपी व अन्य क्षेत्रीय पार्टी के लिए दावेदारी को लेकर सुगबुगाहट दिखने लगा है।देखा जाए तो राज्य और केंद्र में बीजेपी पार्टी के स्थापित होने के चलते बीजेपी के लिए दावेदार तलाशना एक टेढ़ी खीर साबित होगी,क्योंकि बीजेपी पार्टी के द्वारा पार्टी के लिए समर्पित कार्यकर्ता स्वच्छ छबि के साथ आमलोग व मतदाता के बीच अपनी पकड़ बनाना आवश्यक देखा जा है।

वही कांग्रेस पार्टी में भी स्वच्छ छबि जनता से संबंध आवश्यक है लेकिन इन सब बातो से ज्यादा महत्वपूर्ण उच्च लेबल का पहुंच या किसी आका का हाथ होना जरूरी है।इन सब के बीच दावेदारों द्वारा अपने अपने तरीके से लोगो के बीच पहुंचने और वार्डो में विकास कार्य के साथ स्वच्छता बनाने दिखाई दे रहे है हालाकि इस पांच वर्षो से भले ही वे जनप्रतिनिधि उन सब कार्यों से दूर रहे हो।ज्ञात हो कि वर्तमान समय में केंद्र के साथ राज्य में बीजेपी पार्टी की सत्ता स्थापित है, जिसके चलते बीजेपी पार्टी से नगरपालिका अध्यक्ष और पार्षदों की लाइन लगी हुई है,लेकिन बीजेपी पार्टी नगरपालिका में अध्यक्ष और पार्षदों को टिकट देने के पहले कई तरह से उन दावेदारों की पिछली स्थिति भापेगी।

सर झुके उस शहादत में,जो शहीद हुए हमारी हिफाजत में

बसना(समय दर्शन)। बसना क्षेत्र के जाबांज सिपाही शहीद श्याम लाल भोई जिनका आज शहिदी दिवस है। आज ही के दिन 12 जुलाई 2009 को नक्सलियों का सामना करते हुए हमारे क्षेत्र के जांबाज सिपाही,अमर शहीद श्याम लाल भोई अपने कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ महतारी की लाज बचाते देश धर्म के लिए नक्सलियों का सामना करते हो गए थे। अंचल के वीर अमर शहीद श्याम लाल भोई का संक्षिप्त जीवन परिचय उनका जन्म 6 जुलाई 1977 को बसना के शरहद मे बसा ग्राम- खुरसीपहार, थाना- बसना जिला-महासमुंद में हुवा था। पिता- स्व.श्री मदन भोई माता- स्व. तेजो भोई वीरवधु- श्रीमती प्रिया भोई ,पद- आरक्षक 899 थाना-मानपुर जिला- राजनांदगांव में पदस्थ थे। घटना- शहीद जवान थाना- मानपुर जिला- राजनांदगांव के घोर नक्सल क्षेत्र में तैनाती के दौरान दिनांक 12 जुलाई 2009 को थाना क्षेत्र के ग्राम-कोरकोट्टी के बीच गस्त सर्चिंग के दौरान घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने जवानों की टीम पर हमला बोल दिये दुश्मनों पर जबर्दस्त जवाबी कार्यवाही करते हुए साहस एवं वीरता का परिचय देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। वीर अमर शहीद को समय दर्शन परिवार एवं क्षेत्र वासी भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए नमन करता है।

ग्राम छाटा में शिव महापुराण कथा का चौथा दिन

शिव की निकाली बारात, माता पार्वती के साथ विवाह में शामिल हुए भक्त

भोले की बारात में मंत्रमुग्ध होकर नाचते गाते रहे श्रोता

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम छाटा में चल रही शिव महापुराण कथा के चौथे दिन दिन शुक्रवार को आचार्य पंडित पुरन शर्मा ने नारद मोह और उनकी भक्ति के साथ ही शिव पार्वती विवाह का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महादेव ने जिस स्थान पर कामदेव को भस्म किया उसी स्थान पर नारद तप करने लगे। तप से कामदेव के भयभीत होने पर नारद को अभिमान हो गया कि उन्होंने काम पर विजय प्राप्त कर ली। भगवान विष्णु ने माया के द्वारा विश्व मोहिनी स्वयंवर में नारद को आसक्त देखकर वानर रूप दे दिया। जिससे कुपित होकर उन्होंने विष्णु जी को शाप दिया। विष्णु के अवतार भगवार राम को सीता वियोग में वानरों व भालुओं संग 14 वर्ष का जीवन यापन करना पड़ा। आचार्य ने बताया कि मानव जीवन के कल्याण के लिए पुराण में नारद भक्ति क्रमश: श्रवण, कीर्तन, स्मरण, वंदना, पूजन और आत्म निवेदन का मार्ग है। इस दौरान आचार्य ने यज्ञदत्त की कथा सुनाते हुए बच्चों को संस्कारित और सदाचारी बनाने के लिए प्रेरित किया।

जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे- आचार्य पंडित पुरन शर्मा

उन्होंने बताया कि शिव भक्ति से जीवन में यश, बल, बुद्धि, विद्या और दीर्घ आयु के साथ ही सुख समृद्धि भी प्राप्ति होती है। पंडित शर्मा ने भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह प्रसंग सुनाया । इससे पूर्व भगवान शिव -माता पार्वती और शिव महापुराण की विधिवत पूजा- अर्चना करने के बाद कथा शुरू हुई। इस दौरान सजीव झांकियां भी सजाई गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में ऐसा कोई मनुष्य नहीं है जो दुखी न हो लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता है कि हम भगवान का स्मरण करना ही छोड़ दें। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। भगवान का नाम स्मरण करने मात्र से हर एक विषम परिस्थिति को पार किया जा सकता है। इसलिए हम सभी को भगवान के नाम का स्मरण करना चाहिए। अवसर पर प्रमुख रूप से परायण कर्ता सूरज मिश्रा रायपुर, नोहर यादव, मोंगरा यादव, बलदाऊ यादव, एमिन यादव, बलदाऊ यादव, जामवंतिन यादव, हरी यादव, सावित्री यादव, कविता यादव, किरण यादव, सुमन यादव, रेनू शर्मा, उमा निषाद, भगवती साहू, ओम टंडन, शैल बघेल, सरस्वती साहू, उर्वशी साहू, मेघा वर्मा, संजय वर्मा, जगदीश यादव, भगवती विश्वकर्मा, भूषण वर्मा, मानसी वर्मा, भरत वर्मा, भीएश्न वर्मा, किशन वर्मा, नारायण चेलक सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24